



उन्होंने धर्म पूछकर मारा, हमने कर्म देखकर मारा...श्रीनगर पहुंचे राजनाथ

एजेंसी। नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को पूरी दुनिया के सामने सवाल उठाया कि क्या परमाणु हथियार पाकिस्तान के हाथों में सुरक्षित हैं? उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के परमाणु बमों को अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएए) की निगरानी में लिया जाना चाहिए। उसने पहलगाम में आतंकवादी घटना से भारत के माथे पर चोट पहुंचा कर भारत की सामाजिक एकता को तोड़ने का प्रयास किया। उसने भारत के माथे पर वार किया, तो हमने उनकी छाती पर घाव दिए हैं। पाकिस्तान के जख्मों का इलाज इसी बात में है कि वह आतंकवादी संगठनों को पनाह देना बंद करे, भारत के खिलाफ अपनी जमीन का इस्तेमाल न होने दे। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन 'सिंदूर' के स्थगित होने के बाद रक्षा मंत्री का यह पहला श्रीनगर दौरा है। वे ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान हुई सैन्य कार्रवाई पर सैनिकों के प्रति आभार जताने यहां पहुंचे हैं। श्रीनगर के बादामी बाग कैट में भारतीय सेना के बहादुर सैनिकों को



संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि मैं आपकी उस ऊर्जा को महसूस करने आया हूँ, जिसने दुश्मनों को नेस्तनाबूद कर दिया। आपने जिस तरीके से सीमा पार पाकिस्तान की चौकियों और बंकरों को ध्वस्त किया, दुश्मन उसे कभी भूल नहीं पायेगा। आपने देखा होगा कि आमतौर पर लोग जोश में होश खो देते हैं, लेकिन आपने जोश भी रखा, होश भी रखा और सूझबूझ के साथ दुश्मन के ठिकानों को बर्बाद किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन 'सिंदूर' में उस एक-एक जवान की आंखों में देखा गया सपना था कि हर आतंकी ठिकाना, चाहे वो चाटियाँ में छुपा हो या बंकरों में दबा हो, हम वहां पहुंचेंगे और दुश्मन की छाती चीरकर उन आतंकी ठिकानों

को खत्म करके ही लौटेंगे। उन्होंने सैनिकों को याद दिलाया कि लगभग इक्कीस साल पहले अटलजी के सामने इसी पाकिस्तान ने इस्लामाबाद में घोषणा की थी अब उनकी धरती से आतंकवाद एक्सपोर्ट नहीं किया जाएगा। मगर पाकिस्तान ने भारत को धोखा दिया और आज भी धोखा दिए जा रहा है। इसका खामियाजा अब उसे भारी कीमत अदा करके भुगतना पड़ रहा है। रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन 'सिंदूर' की कामयाबी ने पाकिस्तान में छिपे आतंकी संगठनों और उनके आकाओं को भी यह साफ-साफ बता दिया है कि वो कहीं भी अपने आप को सुरक्षित न समझें। अब वे भारतीय सेनाओं के निशाने पर हैं। दुनिया जानती है कि हमारी सेनाओं का निशाना अचूक है और वो जब वो निशाना लगाते हैं, तो गिनती करने का काम दुश्मनों पर छोड़ देते हैं। आतंकवाद के खिलाफ भारत की प्रतिज्ञा कितनी कठोर है कि हमने उनके न्यूक्लियर ब्लैकमेल की भी परवाह नहीं की है।

अपनी वीरता से नक्सलवाद का नामोनिशान मिटा रहे सुरक्षा बल : शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि हमारे सुरक्षा बल अपनी वीरता से नक्सलवाद का नामोनिशान मिटा रहे हैं। अमित शाह ने आज दिल्ली के अखिल भारतीय आधुविज्ञान संस्थान (एम्स) के ट्रॉमा सेंटर का दौरा किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ एवं तेलंगाना सीमा पर कुरुगुडाल हिल्स (केजीएच) में चलाए गए 21 दिनों के नक्सल विरोधी अभियान में घायल हुए चार सुरक्षाकर्मियों के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनका हौसला बढ़ाया। इस दौरान छत्तीसगढ़ के उम्मेदखनीय के स्वास्थ्य भी मौजूद थे। कुरुगुडाल हिल्स में चले ऑपरेशन में काबरा बटालियन के असिस्टेंट कमांडेंट सागर गणेश बोराडे, एचसी मुनेश चंद शर्मा,



कांस्टेबल कृष्ण कुमार गुर्जर और कांस्टेबल धनु राम घायल हो गए थे। इस चारों जवानों का उपचार दिल्ली के एम्स ट्रॉमा सेंटर में चल रहा है। गृहमंत्री ने एम्स पोस्ट में कहा, 'हमारे सुरक्षा बल अपनी वीरता से नक्सलवाद का नामोनिशान मिटा रहे हैं। दिल्ली एम्स के ट्रॉमा सेंटर का दौरा किया और छत्तीसगढ़ एवं तेलंगाना सीमा पर कुरुगुडाल हिल्स में 31 नक्सलियों को मार गिराने वाले नक्सल विरोधी अभियान के दौरान घायल हुए सुरक्षाकर्मियों से मुलाकात की।

राष्ट्रपति मुर्मू ने पूछा: क्या विधेयकों पर मंजूरी की समयसीमा सुप्रीम कोर्ट तय कर सकता है?

राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट को प्रेसिडेंशियल रेफरेंस भेज पूछे 14 सवाल

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राज्य सरकार के विधेयकों को मंजूरी देने के लिए समयसीमा लागू करने के संबंध में सुप्रीम कोर्ट से स्पष्टीकरण मांगा है। राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 143 के तहत सुप्रीम कोर्ट को 14 सूत्री प्रेसिडेंशियल रेफरेंस भेजे हैं। प्रेसिडेंशियल रेफरेंस में कहा गया है कि क्या सुप्रीम कोर्ट राष्ट्रपति को अनुच्छेद 201 के तहत राज्यपाल द्वारा उनके लिए आरक्षित विधेयक पर निर्णय लेने के लिए तीन महीने की समयसीमा निर्धारित कर सकता है, जबकि ऐसी कोई संवैधानिक रूप से निर्धारित समयसीमा नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 143 के तहत सुप्रीम कोर्ट को भेजे गए संदर्भ में अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल के समक्ष विधेयक प्रस्तुत किए जाने पर उनके समक्ष संवैधानिक विकल्पों पर स्पष्टता मांगी गई है। मोटे तौर पर प्रेसिडेंशियल रेफरेंस में पूछा गया है कि क्या न्यायिक आदेश यह निर्धारित कर सकते हैं कि राष्ट्रपति और राज्यपालों को अनुच्छेद 200 (राज्य विधेयकों पर राज्यपालों द्वारा



स्वीकृति प्रदान करने की प्रक्रिया को शामिल करने वाला प्रावधान) और 201 (जब विधेयकों को राज्यपालों द्वारा राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए आरक्षित किया जाता है) के तहत कब तक और कैसे कार्य करना चाहिए। प्रेसिडेंशियल रेफरेंस में कहा गया है कि अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति की सहमति न्यायोचित है या नहीं, इस बारे में सुप्रीम कोर्ट के विरोधाभासी निर्णय थे। रेफरेंस में संविधान के अनुच्छेद 142 की रूपरेखा और दायरे पर भी सुप्रीम कोर्ट की राय मांगी गई है। यह प्रेसिडेंशियल रेफरेंस 13 मई को जारी किया गया था, जो भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना का अंतिम कार्य दिवस था। अब राष्ट्रपति के संदर्भ का जवाब देने के लिए संविधान पीठ

गठित करने की जिम्मेदारी वर्तमान मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर होगी। राष्ट्रपति द्वारा स्पष्टता की मांग करने का फैसला तमिलनाडु सरकार द्वारा दायर याचिका पर न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की सुप्रीम कोर्ट की पीठ के 8 अप्रैल के फैसले से उपजा है। इसमें राज्यपाल द्वारा 10 पुनः पारित विधेयकों को मंजूरी देने में देरी और राष्ट्रपति द्वारा विचार के लिए उन्हें सुरक्षित रखने की उनकी कार्रवाई को चुनौती दी गई थी। फैसले में उनके कदम को असंवैधानिक घोषित किया गया था और राष्ट्रपति तथा राज्यपालों के लिए राज्य विधेयकों पर कार्रवाई करने के लिए समयसीमा निर्धारित करने के लिए अनुच्छेद 142 का इस्तेमाल किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

मणिपुर में 10 उग्रवादी ढेर, भारी मात्रा में हथियार बरामद



इंफाल। चांदेल जिले के खेंगजॉय इलाके में भारत-म्यांमार बॉर्डर के पास भारतीय सेना के असम राइफल के जवानों ने 10 उग्रवादियों को ढेर कर दिया। इंडियन आर्मी ने एक्स पर बताया कि, मणिपुर के चांदेल जिले के खेंगजॉय तहसील के न्यू समतल गांव के पास उग्रवादियों की गतिविधियों का पता चला था। भारत-म्यांमार सीमा के पास सशस्त्र कैडरों यानी उग्रवादियों की गतिविधियों की खुफिया जानकारी पर एक्शन लिया गया। स्पीयर कांस के तहत अस राइफलस यूनिट ने 14 मई 2025 को एक अभियान शुरू किया। जैसे ही सेना के जवानों ने ऑपरेशन शुरू किया, उग्रवादियों ने उन पर गोलियां चलाई। इसके बाद बारी मुंहतोड़ जवाब देने की थी। आधी रात को असम राइफल के जवानों ने तुरंत एक्शन लिया और एककाउंटर में 10 उग्रवादियों को मार गिराया। इस दौरान उग्रवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। भारतीय सेना का पूर्वी सीमा पर यह एक्शन ऐसे वक्त में हुआ है, जब भारत-पाक सीमा यानी एलओसी पर तनाव है। एलओसी पर आतंकी लगातार हिमाकत कर रहे हैं। बीते दिनों भारतीय सेना के जवानों ने घुसपैठ की कोशिश कर रहे तीन आतंकियों को मार गिराया था। उधर, भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव भी चरम पर है।

थरूर ने भारत-पाक तनाव से जुड़े मुद्दे पर लांघी पार्टी की "लक्ष्मण रेखा"

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा कि पार्टी में सबको अपनी राय रखने की आजादी है, लेकिन लोकसभा सदस्य शशि थरूर ने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव से जुड़े मुद्दे पर अपने हालिया बयानों से पार्टी की "लक्ष्मण रेखा" लांघ दी है। इस संबंध में थरूर की कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। सूत्रों ने यह भी कहा कि आलाकमान ने नेताओं को हिदायत दी है कि वे इस मुद्दे पर अपनी व्यक्तिगत राय देने के बजाय पार्टी का पक्ष रखें। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में एक वरिष्ठ नेता ने थरूर का नाम लिए बगैर पार्टी लाइन से इतर बयान देने का विषय उठाया और कहा कि नेतृत्व को इसमें दखल देना चाहिए। बैठक में थरूर भी मौजूद थे। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस एक लोकतांत्रिक पार्टी है और सभी को अपनी राय जाहिर करने की आजादी है, लेकिन थरूर ने इस बार लक्ष्मण रेखा लांघ दी है। उनका कहना है, आलाकमान की तरफ से हिदायत दी गई है कि यह समय व्यक्तिगत राय व्यक्त करने का नहीं, बल्कि पार्टी की राय रखने का है। हालांकि यह हिदायत देते वक्त किसी का नाम नहीं लिया गया। सूत्रों ने बताया कि थरूर ने कार्यसमिति की बैठक में पार्टी लाइन के मुताबिक अपनी बात रखी और कुछ रचनात्मक सुझाव भी दिए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि थरूर की टिप्पणी पार्टी की राय नहीं होती है। थरूर भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता संबंधी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों पर अपनी पार्टी से अलग रख रख रहे हैं।



ईरान ने शांति की दुहाई पर ट्रंप को घेरा, पेजेशकियन ने कहा- अमेरिका की धमकी से नहीं डरते

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कहा कि देश कभी भी अमेरिका की धमकियों और दबाव के आगे नहीं झुकेगा। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तेहरान पर क्षेत्र में अस्थिरता पैदा करने वाली ताकत होने का आरोप लगाने पर कड़ी निंदा की। उन्होंने गुरुवार को ईरान के पश्चिमी प्रांत केरमानशाह में आर्थिक नीति निर्धारकों और निवेशकों की बैठक में ईरान के प्रति दोहरी नीति अपनाने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की आलोचना की। उन्होंने कहा कि जो आदमी शांति की दुहाई देता है, वही सरहंदा करता है। ईरान के प्रेस टीवी की खबर के अनुसार, राष्ट्रपति पेजेशकियन ने कहा कि ट्रंप को लगता है कि वह हमें प्रतिबंधित कर सकते हैं। हमें धमका सकते हैं। और फिर बैठकर मानवाधिकारों के बारे में बात कर सकते हैं। हम युद्ध नहीं, शांति चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को सऊदी अरब की यात्रा के दौरान ट्रंप ने ईरान को पश्चिम एशिया क्षेत्र



में सबसे विनाशकारी ताकत करार दिया था। उन्होंने कहा था कि संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने की अनुमति नहीं देगा। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इस्लामिक गणराज्य ईरान को कतर के दोहा में गुरुवार को आर्थिक निवेशकों की बैठक में चेतावनी दी कि उसके परमाणु कार्यक्रम को लेकर उत्पन्न गतिरोध का समाधान करने के लिए दो ही विकल्प हैं, पहला या तो समझौता करे या संभावित हवाई हमले के लिए तैयार रहे। इस पर ईरान के राष्ट्रपति ने कहा कि कोई कैसे विश्वास कर सकता है कि वो व्यक्ति खुलेआम बम, मिसाइल और हथियार बनाता है और उस पर गंव करता है।

अब पुराने रूट से भी केदारनाथ यात्रा, रामबाड़ा से गरुड़चट्टी का रास्ता किया जा रहा ठीक

देहरादून। केदारनाथ यात्रा अब पुराने पैदल रास्ते से भी पूरी की जा सकेगी। इसको लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। केदारनाथ रूट पर रामबाड़ा से गरुड़चट्टी के बीच पुराने रास्ते की मरम्मत का काम अंतिम चरण में है। लोक निर्माण विभाग ने इस साल इस काम को पूरा करने का लक्ष्य रखा है। बता दें 2013 की केदारनाथ आपदा के दौरान गौरीकुंड से केदारनाथ का पैदल रास्ता बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। खासकर रामबाड़ा से गरुड़चट्टी के बीच रास्ता पानी में बह गया था। इससे लॉजिस्टिक्स की नदी के दूसरी ओर नया पैदल रास्ता बनाना पड़ा। इस वजह से केदारनाथ की पैदल यात्रा 14 किमी से बढ़कर 16 किमी हो गई थी। पैदल रास्ता बना देने की वजह से यात्रियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था। विभाग के सचिव ने बताया कि केदारनाथ के पुराने रास्ते को ठीक करने का काम जारी है। विभाग के अधिकारियों को इस साल रामबाड़ा से गरुड़चट्टी तक के पैदल रास्ते को ठीक करने के निर्देश दिए गए हैं। उम्मीद है कि बरसात के बाद इस साल यात्री पुराने पैदल मार्ग से यात्रा कर सकेंगे। रूट को ठीक करने की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। रूट पर तीर्थ यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

जम्मू-कश्मीर के नादेर-त्राल में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू

एजेंसी। अवंतीपोरा

जम्मू और कश्मीर के अवंतीपोरा के नादेर-त्राल इलाके में मुठभेड़ शुरू होने की सूचना पुलिस ने दी है। जम्मू-कश्मीर के जौनल पुलिस मीडिया सेंटर ने आज सुबह अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर कहा कि अवंतीपोरा के नादेर-त्राल इलाके में मुठभेड़ चल रही है। पुलिस मीडिया सेंटर ने एक्स पर लिखा, 'अवंतीपोरा के नादेर, त्राल इलाके में मुठभेड़ शुरू हो गई है। पुलिस और सुरक्षा बल काम पर लगे हुए हैं। आगे की जानकारी बाद में दी जाएगी।' उल्लेखनीय है कि इससे पहले मंगलवार को शोपियां में हुई मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा



से संबद्ध तीन आतंकवादी मारे गए। इनमें दो की पहचान हो गई है। यह मुठभेड़ शोपियां जिले के केलेर के शुक्र वन क्षेत्र में हुई थी। एक की पहचान शोपियां के चोटीपोरा हीरपोल निवासी शाहिद कुट्टे के रूप में हुई है। वह मोहम्मद यूसुफ कुट्टे का बेटा है। दूसरा मारा गया आतंकी अदनान शफी डार है। मोहम्मद शफी डार का बेटा अदनान शोपियां के वंडुना मेलहोरा का निवासी था। मारे गए तीसरे आतंकी की पहचान अभी नहीं हो सकी है।

10 मई की दास्तां: पाकिस्तान से खफा हो गया चीन, ट्रंप ने भी बढ़ाई मुश्किलें

एजेंसी। नई दिल्ली

सीजफायर की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन देशों से पहले ही कर दी, जो इस तनाव का हिस्सा थे। उनके एक ट्वीट ने भारत-पाकिस्तान के साथ-साथ चीन को भी हैरान कर दिया था क्योंकि उसे भी इस बात का पता नहीं था। दोनों पक्ष सीजफायर पर राजी भी हुए लेकिन इस घटना ने पाकिस्तान के जिगरी यार चीन के दिल पर चोट पहुंचा दी। अब मुश्किल ये है कि वो ट्रंप से व्यापार करे या चीन को मनाए। अमेरिका, चीन, भारत और पाकिस्तान ने युद्धविराम की अपनी-अपनी कहानी बताई है। भारत का कहना है कि पाकिस्तान के डायरेक्ट जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस ने खुद फोन करके युद्धविराम की बात की और ट्रंप के उस दावे को खारिज कर दिया, जिसमें वो अपनी अहम



भूमिका बता रहे थे। इन सबके बीच फंस गया पाकिस्तान, जिससे चीन नाराज हो गया। जब पाकिस्तान, भारतीय हमलों की वजह से संकट में आ गया तो उसने अमेरिका से संपर्क किया। पाकिस्तान 9 मई तक इस बात से सन्देह में था कि भारत की ओर से लगातार हो रहे हमले उसके सैन्य ठिकानों को तबाह कर रहे थे। ऐसे में उसे मदद की गुहार के लिए डोनाल्ड ट्रंप ही सही व्यक्ति लगे और उसे चीन की याद भी नहीं आई। डोनाल्ड ट्रंप ने आनन-फानन में सीजफायर की बात

सबसे पहले शेरार भी कर दी। चीन को जैसे ही ये बात पता चली वो अपने 'जिगरी यार' पाकिस्तान से खफा हो गया। उसे शिकायत ये है कि उसे इस बात की जानकारी ही नहीं थी। अब बारी थी पाकिस्तान की, उसे चीन को मैनेज करना था, जिसके लिए उसने एक बार फिर सीजफायर का उल्लेख किया। इस पूरे घटनाक्रम में भारत की नीति साफ थी कि वो किसी भी हालत में आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाएगा। भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने अपने बयान में बताया कि 9 मई को दोपहर 3:35 बजे भारत के डीजीएमओ से युद्धविराम की गुहार लगाई, जिस पर भारत ने शर्त रखी कि वो आतंकवाद की किसी भी घटना को युद्ध ही मानेगा। उन्होंने साफ किया कि द्विपक्षीय बातचीत के बाद 10 मई की शाम 5 बजे से सभी सैन्य कार्रवाइयों रोकने पर सहमति बनी है।

दैनिक संध्या न्यूज़पेपर

(आवश्यकता)

संथाल संध्या

सभी जिले में ब्यूरो चीफ की आवश्यकता

पाकुड़, साहिबगंज, देवघर,

जामताड़ा, धनबाद, गोड्डा,

कोडरमा, रामगढ़, गिरिडीह

इच्छुक व्यक्ति नीचे दिए गए

संपर्क नंबर पर संपर्क

9800993294 , 9334344989



किसानों के लिए सुविधाएं बढ़ाने के लिए साहिबगंज में बैठक आयोजित

संथाल संध्या

साहिबगंज:- जिला कृषि पदाधिकारी-सह-परियोजना निदेशक, आत्मा, साहिबगंज प्रमोद एक्का की अध्यक्षता में एक समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिले के विभिन्न प्रखंडों में कार्यरत प्रखंड कृषि पदाधिकारी, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक (BTM) एवं सहायक तकनीकी प्रबंधक (ATM) ने भाग लिया। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा कृषि से संबंधित विभिन्न योजनाओं जैसे बीज विनिमय एवं वितरण योजना, बिरसा फसल विस्तार योजना, झारखण्ड राज्य मिलेट मिशन योजना, किसानों का ब्लॉकचेन में निबंधन, केसीसी, मिट्टी नमूना संग्रह, आरक्षेवीवाई-पीडीएमसी योजना, झारखण्ड कृषि ऋण माफी योजना आदि की प्रगति की समीक्षा की गई। जिला कृषि पदाधिकारी ने इन योजनाओं



के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला कृषि पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि दिनांक 19.05.2025 से 30.05.2025 तक विशेष अभियान चलाकर सभी प्रखंडों में लक्ष्य अनुरूप मिट्टी नमूना संग्रह का कार्य सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, ब्लॉकचेन में छूटे हुए किसानों के निबंधन का कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए, जिसमें विशेष रूप से पीवीटीजी (PVTGs) समुदाय को आच्छादित करने का निर्देश दिया गया।

इस अवसर पर किसान समृद्धि योजना के तहत साहिबगंज प्रखंड के 10 कृषकों एवं मंडरो प्रखंड के 2 कृषकों सहित कुल 12 कृषकों के बीच सोलर पम्प सेट का वितरण जिला कृषि पदाधिकारी की उपस्थिति में किया गया। इस योजना के अंतर्गत कृषकों को 90% अनुदान पर 2HP चलंत सोलर पम्प सेट उपलब्ध कराया गया। कृषक अंशदान के रूप में AC पम्प सेट हेतु 18075 एवं DC पम्प सेट हेतु 18175 निर्धारित है। जिला कृषि पदाधिकारी ने कहा कि आत्मा योजना के तहत राष्ट्रीय



खाद्य सुरक्षा मिशन, किसान समृद्धि योजना आदि की विस्तृत जानकारी दी गई तथा लाभुकों के चयन की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि सभी तकनीकी कर्मी यह सुनिश्चित करें कि उनके क्षेत्र के किसानों को कृषि विभाग एवं आत्मा द्वारा संचालित सभी योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से प्राप्त हो, जिससे वे कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों से जुड़कर समृद्ध

बन सकें। बैठक में मुख्य रूप से जिला कृषि अभियंता राम प्रकाश कुमार, जिला योजना एवं मूल्यांकन पदाधिकारी अरुण कुमार भोगता, उप परियोजना निदेशक आत्मा मंदू कुमार एवं संबंधित प्रखंडों के प्रखंड कृषि पदाधिकारी, BTM एवं ATM उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी और कर्मचारी किसानों के हित में काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए हमेशा तैयार हैं।

साहिबगंज में डालसा की पेयजल वितरण पहल: गर्मी से राहत के लिए एक सराहनीय प्रयास

संथाल संध्या

साहिबगंज:- जिले में पड़ रही भीषण गर्मी से आमजन को राहत प्रदान करने हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा), साहेबगंज द्वारा सराहनीय पहल की गई है। डालसा की टीम ने साहेबगंज रेलवे स्टेशन परिसर में रिक्शा चालक, मजदूर, वेंडरों एवं नि:शक्तों के बीच मिनरल वाटर की बोतलें एवं ओआरएस घोल का वितरण किया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश- सह- अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज श्री अखिल कुमार के निर्देशानुसार डालसा की टीम ने यह पहल की है। उन्होंने प्राधिकार के सचिव को निर्देशित किया है कि गर्मी के इस मौसम में जनहित को प्राथमिकता देते हुए प्रमुख स्थलों पर पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि आम नागरिकों को राहत मिल सके।



व्यवहार न्यायालय परिसर के मुख्य द्वार पर प्रतिदिन प्याऊ के माध्यम से ग्लूकोज मिश्रित शीतल पेयजल की व्यवस्था की गई है। साथ ही जिले के विभिन्न पंचायतों में पारा लीगल वोलेंटीयर (न्याय मित्र) द्वारा भी आम नागरिकों को शुद्ध

पेयजल उपलब्ध कराने हेतु प्याऊ की व्यवस्था की गई है। इस व्यवस्था से आम नागरिकों को गर्मी के इस मौसम में राहत मिल रही है। डालसा की इस पहल से आम नागरिकों को गर्मी के इस मौसम में राहत मिल रही है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री अखिल कुमार ने कहा कि गर्मी के इस मौसम में आम नागरिकों को राहत पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि हम आम नागरिकों की समस्याओं को समझते हैं और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। डालसा की टीम ने इस पहल के माध्यम से आम नागरिकों को राहत पहुंचाने का एक सराहनीय प्रयास किया है। टीम के सदस्यों ने कहा कि वे आम नागरिकों की सेवा के लिए हमेशा तैयार हैं और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

दुमका में समर कैंप का आयोजन बच्चों ने सीखी पेंटिंग और क्राफ्ट

संथाल संध्या

दुमका:- जिले के सिंदो कान्हू सीनियर सेकेंडरी स्कूल में समर कैंप का आयोजन किया गया। इस समर कैंप में बच्चों को पेंटिंग और क्राफ्ट सिखाया गया। स्कूल प्रबंधक रोदोशी मुखर्जी की देखरेख में आयोजित इस समर कैंप में बच्चों ने बह-चढ़कर भाग लिया। समर कैंप में बच्चों को पेंटिंग और क्राफ्ट के विभिन्न तरीके सिखाए गए। बच्चों ने अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न प्रकार की पेंटिंग और क्राफ्ट बनाई। इस दौरान बच्चों को अनुभवी शिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया गया। समारोह के दौरान बोर्ड परीक्षा में टॉप-5 स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। उन्हें उनकी उपलब्धि के लिए पुरस्कृत किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। स्कूल प्रबंधक रोदोशी मुखर्जी ने बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि समर कैंप का उद्देश्य



बच्चों की रचनात्मकता को बढ़ावा देना और उन्हें विभिन्न कौशलों से लेस करना है। समर कैंप का उद्देश्य बच्चों को गर्मी की छुट्टियों के दौरान व्यस्त और रचनात्मक रखना है। इस समर कैंप में बच्चों को विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिला और उन्होंने अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया।

साहिबगंज में बच्चों के बीच जागरूकता अभियान चलाया गया

संथाल संध्या

साहिबगंज:- जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी के निर्देशानुसार चाइल्ड हेल्पलाइन एवं ग्रंथन संस्था के सहयोग से तालझारी प्रखंड अंतर्गत राजकीय बुनियादी मध्य विद्यालय एवं मॉडल स्कूल तालझारी में बच्चों के बीच जागरूकता कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संरक्षण पदाधिकारी गैर संस्थागत देखरेख चंदा कुमारी एवं शोभा कुमारी द्वारा किया गया। बच्चों को संबोधित करते हुए बताया गया कि बाल विवाह एक कानूनी अपराध है। बाल विवाह बच्चों को उनकी शिक्षा और विकास के अवसरों से वंचित कर देता है। इसके अलावा, बाल विवाह बच्चों के कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं, जैसे कि गर्भावस्था संबंधी जटिलताएं और शिशु मृत्यु दर का खतरा बढ़ा



देता है। बाल विवाह बच्चों को सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित कर देता है। बाल विवाह को रोकने के लिए कई कानून बनाए गए हैं, जैसे कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006। इस अधिनियम के तहत बाल विवाह करने वालों को सजा और जुर्माना दोनों का प्रावधान है। बच्चों को यौन शोषण, यौन उत्पीड़न और

बाल पोर्नोग्राफी से बचाने के लिए 1992 में बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन के अनुसमर्थन के बाद कानून लागू किया गया। 18 वर्ष से कम आयु के किसी भी व्यक्ति के साथ यौन दुर्व्यवहार, यौन हमला या यौन शोषण अपराध माना जाता है। ऐसे अपराध की सूचना 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर पर करें। बच्चों को बाल विवाह, बाल तस्करी, बाल मजदूरी, स्पर्सेशन, आफ्टर



केयर योजना, सावित्रीबाई फुले योजना आदि योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई। इन योजनाओं का उद्देश्य बच्चों को सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण प्रदान करना है। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों और सुरक्षा के बारे में अधिक जानकारी देने के लिए आगे भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इससे बच्चों को अपने भविष्य को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम में संजीव कुमार, अंशु मालाकर आदि मौजूद

रहे। उन्होंने बच्चों को जागरूक करने के लिए आयोजित कार्यक्रम की सराहना की और कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों को बहुत लाभ होगा। कार्यक्रम के बाद, बच्चों को उनके अधिकारों और सुरक्षा के बारे में और अधिक जानकारी देने के लिए आगे भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इससे बच्चों को अपने भविष्य को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

दुमका में आंगनबाड़ी कर्मचारियों ने विधायक से की मानदेय दिलाने की मांग

संथाल संध्या

दुमका/जामा:- विधायक डॉ लुईस मरांडी से झारखंड प्रदेश आंगनबाड़ी कर्मचारी पोषण सखी संघ के प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने विधायक को मांग पत्र सौंपकर पिछले सात महीनों से न मिलने वाले मानदेय की समस्या साझा की। आंगनबाड़ी कर्मचारियों ने विधायक को मांग पत्र सौंपकर जल्द से जल्द मानदेय दिलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि मानदेय नहीं मिलने से उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और उनके परिवारों को भी आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। विधायक डॉ लुईस मरांडी ने आंगनबाड़ी कर्मचारियों की मांग को सुनकर मदद की बात कही। उन्होंने कहा कि वे इस मामले को सरकार के समक्ष उठाएंगी और जल्द से जल्द मानदेय दिलाने का प्रयास करेंगी। आंगनबाड़ी कर्मचारियों ने विधायक डॉ



लुईस मरांडी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि विधायक की मदद से उन्हें उम्मीद है कि जल्द ही उनका मानदेय मिल जाएगा और वे अपने कार्यों को और भी अच्छे से कर पाएंगी। आंगनबाड़ी कर्मचारी पिछले सात महीनों से मानदेय नहीं मिलने के कारण आर्थिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। इससे उनके परिवारों को भी परेशानी हो रही है और वे

अपने दैनिक कार्यों को करने में भी असमर्थ हो रहे हैं। विधायक डॉ लुईस मरांडी ने आंगनबाड़ी कर्मचारियों को आश्वासन दिया है कि वे जल्द ही इस मामले को सरकार के समक्ष उठाएंगी और उनके मानदेय के लिए प्रयास करेंगी। इससे आंगनबाड़ी कर्मचारियों में उम्मीद जगी है और वे अपने कार्यों को और भी अच्छे से करने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

भीषण गर्मी में आम जनता को राहत हेतु नगर पंचायत से टैंकरों की व्यवस्था सुनिश्चित करें

◆ **अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के विभाग संयोजक सुमित कुमार ने अपनी बात रखी**

बासु कुमार की रिपोर्ट

गोड्डा/महागामा :- नगर पंचायत क्षेत्र में भीषण गर्मी के कारण पानी की किल्लत बढ़ती जा रही है। इसे लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के विभाग संयोजक सुमित कुमार ने अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि महागामा नगर पंचायत क्षेत्र में इन दिनों भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है, जिससे आम नागरिकों को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। सुमित कुमार ने आगे कहा कि तापमान में लगातार वृद्धि के कारण पेयजल की मांग अत्यधिक बढ़ गई है और अनेक वार्डों में पानी की उपलब्धता बाधित हो रही है। उन्होंने कहा कि ऐसी विषम परिस्थितियों में नगर पंचायत महागामा के कार्यपालक पदाधिकारी से आग्रह है कि वह प्रत्येक वार्ड में पानी के टैंकरों की समुचित व्यवस्था शीघ्रतः सुनिश्चित करे, ताकि नागरिकों को निरभूत आवश्यकता – जल – की उपलब्धता में कोई कठिनाई न हो। सुमित कुमार ने कहा कि हम नगरवासी उम्मीद करते हैं कि नगर प्रशासन जनहित में शीघ्र निर्णय लेकर हर वार्ड में नियमित अंतराल पर पानी टैंकर उपलब्ध कराएगा, जिससे लोगों को राहत मिल सके और कोई भी नागरिक प्यासा न रहे। उन्होंने नगर पंचायत प्रशासन से आग्रह किया है कि वह इस मामले में तत्काल कार्रवाई



करे और नागरिकों को पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करे। सुमित कुमार ने कहा कि नागरिकों की समस्या का समाधान करना नगर पंचायत प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत प्रशासन को चाहिए कि वह नागरिकों की समस्या को गंभीरता से ले और उनकी समस्या का समाधान करने के लिए तत्काल कार्रवाई करे। सुमित कुमार ने कहा कि हमें उम्मीद है कि नगर पंचायत प्रशासन हमारी मांगों पर ध्यान देगा और नागरिकों को पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत प्रशासन के सहयोग से हम नागरिकों की समस्या का समाधान कर सकते हैं और उन्हें राहत प्रदान कर सकते हैं।

साहिबगंज में निकाली गई तिरंगा यात्रा, भारतीय सेना के प्रति जताया आभार

संथाल संध्या



साहिबगंज :- जिले में गुरुवार को झारखंड के साहिबगंज जिले में पूर्व विधायक अनंत ओझा के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली गई। यह यात्रा भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद आतंकवादियों के दुस्साहस को सबक सिखाने के लिए निकाली गई थी। तिरंगा यात्रा में भाजपाई कार्यकर्ता के साथ हजारों की संख्या में शहरवासियों और कॉलेज के छात्र नजर आए। सभी हाथों में तिरंगा लेकर भारतीय सेना का आभार जताते दिखे। पूरा शहर भारत माता की जय और वन्देमातरम के नारे से गूंज उठा। पूर्व विधायक अनंत ओझा ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर भारतीय सेना के प्रति आभार जताते हुए कहा कि पाकिस्तान के नापक करतूत पर मुंहतोड़ जवाब

◆ **साहिबगंज जिले में पूर्व विधायक अनंत ओझा के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली गई**
◆ **यह यात्रा भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद आतंकवादियों के दुस्साहस को सबक सिखाने के लिए निकाली गई थी**

हमारे सेना के जवानों ने दिया है। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों के द्वारा निर्दोष पर्यटकों की जान ली गई और मां बहनों का सुहाग उजाड़ दिया गया। इसके खिलाफ एक साहसिक कदम उठाने की जरूरत थी, जो कि भारतीय सेना ने कर दिखाया। भारतीय सेना द्वारा लागू की गई ऑपरेशन सिंदूर की वजह से पाकिस्तान में पल रहे आतंकवादियों को भारत में हमला करने से पहले

दस बार सोचना पड़ेगा। भारतीय सेना के कार्य को सम्मान देने के लिए देश भर में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। मौके पर भाजपा नेता प्रमोद पाण्डेय, धर्मेंद्र ठाकुर, कमल महावर, रामानंद साह, अनुराग राहुल, प्रदीप पासवान, पप्पू राम, संजय पटेल, जगदीश शर्मा, गरिमा साह, चांदनी देवी सहित भाजपा के अलावा शहर के कई लोग शामिल थे।

जामताड़ा में नल जल योजना का सच: ग्रामीणों की समस्या का समाधान नहीं



अशोक टुंडू की रिपोर्ट

जामताड़ा :- जिला फतेहपुर प्रखंड अंतर्गत सिमलडुबी पंचायत के उदलगोरी गांव टोला जरहीडी में नल जल योजना का हाल बेहाल है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस योजना के तहत बनाए गए टैंक से अभी तक पानी नहीं आया है और ठेकेदार ने ठीक से काम नहीं करवाया है। ग्रामीणों का सवाल है कि क्या यह टैंक खाली दिलाने के लिए लगाया गया है या वाकई में इसका लाभ ग्रामीणों को मिलेगा। लोगों का कहना है कि एक ही चापाकल से पूरे टोला के लोग जीवन यापन करते हैं और नल जल योजना का कोई लाभ नहीं मिल रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि वे पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं और उनकी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। ग्रामीणों ने ठेकेदार पर आरोप लगाया है कि उसने ठीक से काम नहीं करवाया है और घर-घर नल नहीं जोड़े हैं। इससे ग्रामीणों को परेशानी हो रही है और वे पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ग्रामीणों ने कहा कि ठेकेदार की लापरवाही के कारण वे अपनी जिंदगी जीने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ग्रामीणों ने पदाधिकारी से आग्रह किया है

कि जल्द से जल्द कार्रवाई हो और पानी का उपलब्ध कराया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि वे सरकार की योजनाओं का लाभ पाने के हकदार हैं और उन्हें उम्मीद है कि जल्द ही उनकी समस्या का समाधान होगा। ग्रामीणों ने पदाधिकारी से मांग की है कि वे इस मामले में जांच करें और ठीकी ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करें। नल जल योजना की इस स्थिति से ग्रामीणों में आक्रोश है। वे सरकार से मांग कर रहे हैं कि जल्द से जल्द इस योजना को पूरा किया जाए और उन्हें पानी की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी समस्या का समाधान नहीं होता है तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। नल जल योजना सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की सुविधा प्रदान करना है। इस योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में नल जल योजना का निर्माण किया जा रहा है ताकि ग्रामीणों को पेयजल की सुविधा मिल सके। लेकिन जामताड़ा जिला के फतेहपुर प्रखंड में इस योजना की स्थिति देखकर लगता है कि यह योजना सिर्फ कागजों पर ही चल रही है।

संक्षिप्त समाचार

शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक पहल
मंडरो प्रखंड में स्कूली बच्चों को
किट और पुस्तकें वितरित



साहिबगंज:-मंडरो प्रखंड के उत्कृमित प्राथमिक विद्यालय बड़तल्ला नयाटोला में प्रधानाध्यापिका कुमारी संगीता ने छात्रों के बीच स्कूल बैग एवं किताबों का वितरण किया। इस दौरान कक्षा एक से कक्षा पांच तक के बच्चों को टेबल्ट बुक्स और अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की गई। प्रधानाध्यापिका ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य छात्रों को शिक्षा से जोड़ना और उनकी शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार करना है। उन्होंने कहा कि स्कूल बैग और किताबों के वितरण से छात्रों का उत्साह बढ़ेगा और वे अपने शैक्षिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित होंगे।

स्कूली बच्चों में किट और पुस्तकों के वितरण से खुशी की लहर देखी गई। छात्रों ने प्रधानाध्यापिका और स्कूल प्रशासन का धन्यवाद किया और अपनी खुशी व्यक्त की। इस अवसर पर स्कूल के शिक्षकों और अन्य पदाधिकारियों ने भी भाग लिया। इस पहल को शिक्षा के क्षेत्र में एक सकारात्मक कदम के रूप में देखा जा रहा है। इससे न केवल छात्रों को लाभ होगा, बल्कि स्कूल की शैक्षिक गुणवत्ता में भी सुधार होगा। प्रधानाध्यापिका ने बताया कि इस तरह की पहल से छात्रों को शिक्षा के प्रति आकर्षित किया जा सकता है और उनकी शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है। प्रधानाध्यापिका ने बताया कि स्कूल प्रशासन आगे भी इस तरह की पहल जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि छात्रों के शैक्षिक विकास के लिए स्कूल प्रशासन हर संभव प्रयास करेगा। इस अवसर पर छात्रों ने अपने विचार व्यक्त किए और स्कूल प्रशासन का धन्यवाद किया।

पाकुड़िया में रोजगार दिवस कार्यक्रम का आयोजन



पाकुड़/पाकुड़िया :- प्रखंड के सभी पंचायतों में गुरुवार को रोजगार दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर बसंतपुर, खाकसा, पाकुड़िया, खजुरंगाल, बत्रोग्राम, बीचपहाड़ी, गणपुरा, बनियायासर, डोमनाडिया, बड़ा सिंहपुर पंचायत में मुखिया, समिति सदस्य एवं ग्रामीणों की मौजूदगी में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पंचायत के मुखिया अनीता सोरेन ने अपने पंचायत कार्यालय में पहुंच कर लोगों की समस्याओं को सुना। मुखिया ने उपस्थित लोगों को सरकार द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रम को लेकर जानकारी दिया। मनरेगा का नया जॉबकार्ड का पंजीकरण, समाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, आवास निर्माण योजना सहित अन्य योजनाओं से संबंधित समस्याओं को सुना। मुखिया ने बताया कि सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही हैं जो लोगों के लिए फायदेमंद हैं। उन्होंने लोगों को इन योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। मुखिया ने कहा कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य लोगों को रोजगार और आर्थिक सहायता प्रदान करना है। मुखिया ने बताया कि सभी पंचायत भवनों में संबंधित पंचायत की मुखिया, समिति सदस्य, ग्राम रोजगार सेवक उपस्थित थे। उन्होंने लोगों की समस्याओं को सुना और उनका समाधान करने का प्रयास किया। इस कार्यक्रम के आयोजन से लोगों को सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने में मदद मिलेगी और उनकी समस्याओं का समाधान होगा। इस कार्यक्रम के आयोजन से लोगों को सरकार की योजनाओं का लाभ मिलेगा। मुखिया ने कहा कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य लोगों को रोजगार और आर्थिक सहायता प्रदान करना है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं और अपने जीवन को बेहतर बनाएं।

गोड्डा पुलिस की सफलता
ट्रांसफॉर्मर और तांबे की तार चोरी
के मामले में दो अभियुक्त गिरफ्तार



बासु कुमार की रिपोर्ट

गोड्डा:- पुलिस ने ललमटिया थाना क्षेत्र के हुरासी सीएचपी से ट्रांसफॉर्मर और तांबे की तार चोरी के मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से 63 केवीए ट्रांसफॉर्मर और 7 किलो तांबे की तार बरामद हुई है। गिरफ्तारी की जानकारी देते हुए महागामा एसडीपीओ चंद्रशेखर आजाद ने बताया कि पुलिस अधीक्षक गोड्डा के निर्देश पर पु0नि0 वीरेन्द्र कुमार और ललमटिया थाना प्रभारी पु0अ0नि0 रौशन कुमार के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। महागामा एसडीपीओ ने बताया कि फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। पुलिस टीम जल्द ही अन्य अभियुक्तों को भी गिरफ्तार कर लेगी। गोड्डा पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है और पुलिस की सक्रियता की सराहना की जा रही है। स्थानीय लोगों ने गोड्डा पुलिस की सक्रियता की सराहना की है और कहा है कि पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अपराध पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। लोगों ने पुलिस अधीक्षक गोड्डा से क्षेत्र में और अधिक पुलिस गश्ती बढ़ाने की मांग की है ताकि अपराधियों में पुलिस का खौफ बना रहे। गोड्डा पुलिस ने इससे पहले भी साइबर अपराधियों पर लगाम कसने के लिए महत्वपूर्ण सफलता हासिल की थी, जब पुलिस ने रौतारा चौक के पास एक सड़क व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। गोड्डा पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता और अपराध पर अंकुश लगाने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का पता चलता है।

गोड्डा: उपायुक्त जिशान कमर ने महागामा प्रखंड के विद्यालयों का
किया निरीक्षण, छात्रों से सीधा संवाद कर दिया कई दिशा-निर्देश

बासु कुमार की रिपोर्ट

गोड्डा:- जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त जिशान कमर ने महागामा प्रखंड अंतर्गत अल्पसंख्यक मध्य विद्यालय परसा एवं उच्च विद्यालय परसा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वर्ग कक्ष, प्रधानाध्यापक कक्ष, पुस्तकालय, पेयजल एवं बिजली व्यवस्था सहित बुनियादी सुविधाओं का जायजा लिया। उपायुक्त ने विद्यालय की साफ-सफाई, शौचालयों की स्थिति और अन्य मूलभूत सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद उपायुक्त ने विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों के साथ बैठक की। बैठक में विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं का आकलन, शिक्षकों की उपलब्धता, छात्र-शिक्षक अनुपात, विद्यालय की स्थिति और बुनियादी ढांचों पर चर्चा की गई। विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों ने उपायुक्त को विद्यालय संचालन में आ रही समस्याओं से अवगत कराया।

उपायुक्त ने छात्र-छात्राओं से सीधा



संवाद स्थापित किया और उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता के बारे में बताया। उन्होंने अल्पसंख्यक विद्यालय के प्रयासों की सराहना की और छात्रों को पढ़ाई में ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उपायुक्त ने छात्रों को उनके भविष्य के लक्ष्यों के बारे में भी पूछा और उन्हें अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया। उपायुक्त ने बताया कि स्कूली छात्रों के लिए शिक्षण व्यवस्था में कमी ना हो, इसके

लिए सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं। उन्होंने छात्रों को इन योजनाओं का लाभ लेने और ईमानदारी पूर्वक पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहित किया। उपायुक्त ने बताया कि जिला प्रशासन का मुख्य उद्देश्य है कि सभी छात्रों को समान अवसर मिले और वे अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें।

इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी महागामा अलोक वरुण केसरी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी सह जिला नजारत उपसमाहर्ता श्रवण राम, जिला शिक्षा



अधीक्षक दीपक कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी महागामा सोनाराम हांसदा, अंचलाधिकारी महागामा खगेन महतो, चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉ. जुनेद आलम, सेवानिवृत्ति ज्वाइंट सेक्रेट्री बिहार मोहम्मद रज्जाक, इंजीनियर अजहर अहमद, पूर्व प्रधानाध्यापक मोहम्मद जहीरुद्दीन, प्रमुख महागामा अफसाना बानो, मुखिया परसा पंचायत मोहम्मद मुस्ताक, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यगण, शिक्षकगण सहित स्कूली छात्र और छात्राएं मौजूद

थे। उपायुक्त ने कहा कि शिक्षा समाज के विकास की आधारशिला है और जिला प्रशासन सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय के बच्चे यहां से शिक्षा ग्रहण कर डॉक्टर, इंजीनियर और अन्य उच्च पदों पर आसीन हुए हैं, जो गौरव की बात है। उन्होंने छात्रों को इनसे प्रेरणा लेकर अपने अध्ययन पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

मोतीपहाड़ी में हरिनाम 24 प्रहर संकीर्तन समारोह का दूसरा दिन

संथाल संध्या

साहिबगंज/बोरियो :- प्रखंड के मोतीपहाड़ी स्कूल टोला में हरिनाम 24 प्रहर संकीर्तन समारोह का दूसरा दिन जारी रहा। इस समारोह में कई विद्वानों ने कीर्तन प्रस्तुत किया, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। समारोह में भाग लेने वाले लोगों ने बताया कि कीर्तन प्रस्तुति से वातावरण पूरी तरह से भक्तिमय हो गया था। लोगों ने भजन-कीर्तन में बड़-चढ़कर भाग लिया और भगवान की भक्ति में लीन हो गए। इस दौरान लोगों ने अपने आराध्य की भक्ति में डूबकर कीर्तन किया और समारोह को सफल बनाया। समारोह की सफलता के लिए आयोजन समिति ने विशेष प्रयास किया था। समिति के सदस्यों ने बताया कि समारोह का उद्देश्य लोगों को भगवान की भक्ति में जोड़ना और समाज में सकारात्मक माहौल बनाना है। उन्होंने बताया कि समारोह के माध्यम से लोगों को एकजुट करने और समाज में भाईचारे की भावना को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है।

समारोह में भाग लेने वाले लोगों ने इसकी सराहना की और आयोजन समिति को धन्यवाद दिया। लोगों ने बताया कि समारोह से उन्हें भगवान की भक्ति में लीन होने का अवसर मिला और



उनका मन शांति से भर गया। उन्होंने बताया कि समारोह में भाग लेने से उन्हें आध्यात्मिक शांति मिली और उनका आत्मविश्वास बढ़ा। समारोह के आयोजकों ने बताया कि आगे भी यह समारोह जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि समारोह का उद्देश्य लोगों को भगवान की भक्ति में जोड़ना और समाज में सकारात्मक माहौल बनाना है। उन्होंने बताया

कि समारोह के माध्यम से लोगों को एकजुट करने और समाज में भाईचारे की भावना को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा। समारोह में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। लोगों ने बड़-चढ़कर समारोह में भाग लिया और भगवान की भक्ति में लीन हो गए। समारोह की सफलता के लिए आयोजन समिति और स्थानीय लोगों का सहयोग सराहनीय रहा।

उपायुक्त ने भू-अर्जन कार्यों की समीक्षा
बैठक में दिए आवश्यक निर्देश

संथाल संध्या

साहिबगंज:- जिले में भू-अर्जन कार्यों की समीक्षा बैठक जिला उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिले में चल रहे विभिन्न भू-अर्जन मामलों की प्रगति की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन पर जोर देते हुए संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया कि वे समयबद्ध ढंग से कार्य करें और प्रक्रियाओं को सुगम बनाएं। उपायुक्त ने कहा कि भूमि अधिग्रहण से जुड़े मामलों में पारदर्शिता बनाए रखते हुए प्रभावित लोगों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाए। उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी आवश्यक दस्तावेजों को व्यवस्थित रखा जाए और अधिग्रहण कार्यों में किसी प्रकार की देरी न हो।

इस दौरान जनहित से जुड़े विभिन्न परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को तेज करने पर विशेष बल दिया गया। उपायुक्त ने पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर जल्द से जल्द लंबित कार्यों को पूरा करें। बैठक में अपर समाहर्ता गौतम भगत,



अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल सदानंद महतो, कार्यपालक दंडाधिकारी प्रमोद आनंद, परिवहन पदाधिकारी मिथलेश कुमार चौधरी, जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, भू अर्जन पदाधिकारी छोटेश्वर दास, प्रखंड विकास पदाधिकारी समेत सभी अंचलाधिकारी उपस्थित रहे। उपायुक्त के

निर्देशों को सुनने के बाद पदाधिकारियों ने उनके निर्देशों का पालन करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि वे अपने कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने का प्रयास करेंगे और भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को तेज करने के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे।

बीचपुरा पंचायत में बीडीओ ने किया निरीक्षण
योजनाओं की प्रगति का लिया जायजा

संथाल संध्या

साहिबगंज :- जिले के बोरियो प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी नागेश्वर साव ने पंचायत बीचपुरा का दौरा कर विभिन्न सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मनरेगा और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत चल रहे कार्यों की गहन जांच की। बीडीओ ने लाभुकों से मुलाकात कर आवास कार्य में हो रही प्रगति की जानकारी ली तथा उन्हें जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य लोगों को बेहतर जीवन प्रदान करना है, और इसके लिए योजनाओं का क्रियान्वयन समय पर और ठीक से होना आवश्यक है। निरीक्षण के क्रम में बीडीओ ने

स्थानीय विद्यालय का भी जायजा लिया, जहाँ उन्होंने शिक्षकों को विद्यालय परिसर की साफ-सफाई बनाए रखने तथा पठन-पाठन व्यवस्था को सुदृढ़ करने का निर्देश दिया। उन्होंने छात्रों की उपस्थिति पर भी विशेष ध्यान देने की बात कही। मौके पर पंचायत के मुखिया, रोजगार सेवक, पंचायत सेवक एवं कनीय अभियंता सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। बीडीओ ने सभी कर्मियों को समय पर योजनाओं के क्रियान्वयन और लाभुकों को समय पर लाभ पहुंचाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने भी कुछ समस्याएं रखीं, जिस पर बीडीओ ने शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ लोगों तक



पहुंचाने के लिए वे प्रतिबद्ध हैं और समस्याओं का समाधान करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करेंगे। बीडीओ की सक्रियता से ग्रामीणों में उत्साह देखा गया। ग्रामीणों ने कहा

कि बीडीओ के निरीक्षण से उन्हें अपनी समस्याओं को रखने का अवसर मिला और उन्हें उम्मीद है कि उनकी समस्याओं का समाधान होगा।



संपादकीय

पत्थर की पूजा

संत नामदेव के जीवन से जुड़ी यह चर्चित कथा है। उनके पिता दामाशेट दर्जी थे। वह चाहते थे कि नामदेव उनका कारोबार आगे बढ़ाएं पर नामदेव तो दिन भर मंदिर में कीर्तन करते रहते थे। इससे दामाशेट दुखी रहते थे। एक दिन उन्होंने नामदेव को कपड़ों का एक गट्टर सौंप दिया और कहा कि इसे वह बाजार में बेच आए। नामदेव बाजार पहुंचे। वहां गट्टर सामने रख विट्ठल के ध्यान में मग्न हो गए। सभी की कमाई हुई, पर नामदेव खाली ही रहे। वहीं पास में खेत में कुछ पत्थर पड़े थे। उन्होंने पत्थरों को कपड़ों से ढक दिया और एक बड़े पत्थर से कहा कि आठ दिन बाद फिर आऊंगा, पैसे दे देना, ताकि पिता को हिसाब दे संपू। पिता ने पूछा तो कहा कि आठ दिन बाद पैसे मिलेंगे। आठ दिन बाद नामदेव उस बड़े पत्थर के पास गए। पैसे मांगने लगे। पर वह कहा से देता। उन्होंने गुस्से में उसे उठाया और पंढरपुर के विट्ठल मंदिर ले आए। बोले- यहीं बापू को जवाब दे देना। दामाशेट बौखला रहे थे- कपड़ों के बदले पत्थर! नजदीक आकर देखा तो वह घरा पत्थर सोने का हो गया था। यह समाचार सब ओर फैल गया। स किसान के खेत का पत्थर था, वह आकर सोने का पत्थर मांगने लगे। नामदेव ने अपने कपड़े के पैसे मांगे व पत्थर उसे दे दिया। घर जाकर किसान ने देखा कि वह तो फिर पत्थर बन गया। वह गुस्से में नामदेव जी के घर वह पत्थर रख गया। आज भी उस पत्थर की पूजा नामदेव के मंदिर में होती है।

मोदी-उद्धोधन जागृत राष्ट्र के हौसलों की उड़ान



ललित गर्ग

ऑपरेशन सिंदूर, पाकिस्तान के जवाबी हमले तथा युद्ध विराम के बाद राष्ट्र के नाम संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कड़े एवं स्पष्ट शब्दों में न केवल पाकिस्तान को चेताया बल्कि उसको उसकी जमीन भी दिखायी। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत की प्रखर एवं प्रभावी नीति को पूरी दुनिया के सामने बड़ी स्पष्टता और दृढ़ता के साथ रखा। उनका संबोधन न केवल भारत की भावना की अभिव्यक्ति है, बल्कि यह हमारे देश के सैन्य, कूटनीतिक, नैतिक बल की प्रस्तुति एवं दो सौ अस्सी करोड़ तनी हुई मुड़ियों की चेतावनी भी है। यह कोरा उद्बोधन नहीं, बल्कि एक जागृत राष्ट्र के साहस एवं हौसलों की उड़ान है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में नई लकीर खींची और नये पैमाने तय किये। पाकिस्तान की समझौते की गुहार को भी सुना, एक बड़े मकसद और व्यापक हित में भारत ने शांति की राह चुनी। पहले से ही युद्धों में उलझे विश्व के लिए भारत का यह कदम आशा एवं उम्मीद की बहुत बड़ी किरण है। लेकिन पाकिस्तान पर एक्शन सिर्फ स्थगित हुआ है, समाप्त नहीं। 22 मिनट का यह संबोधन पाकिस्तान के लिये एक सीख भी है और सबक भी। साथ ही यह एक विशाल एवं विराट इतिहास को समेटे हुए नये भारत के नये संकल्पों की सार्थक प्रस्तुति है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी साफ कर दिया है कि भविष्य में अगर पाकिस्तान

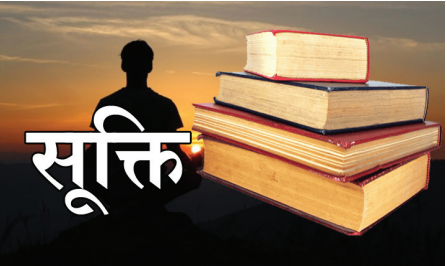
से कभी बात होगी तो केवल आतंकवाद और पीओके पर ही बात होगी। उन्होंने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि टेयर और टॉक, टेयर और ट्रेड एक साथ नहीं हो सकते। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेनाओं के शौर्य और पराक्रम की भी उन्होंने खुल कर सराहना की एवं वीरगाथा सुनाई है। भारतीय सेनाओं पर जहां पूरे देश को नाज है, वहीं प्रधानमंत्री के सशक्त नेतृत्व पर समूचे देश को भरोसा है और आज हमारा देश समृद्धशाली और शक्तिशाली होने के साथ ही विकसित भारत के रूप में तेजी से उभर रहा है। प्रत्येक भारतीय की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आतंकवाद के समूल नाश के लिए हमारी सरकार कटिबद्ध है। सिंदूर पोंछने का अंजाम अब हर आतंकी को पता चल गया है। मोदी ने साफ किया कि अलग-अलग नई चला गया जब भारत परमाणु हमले के नाम पर ब्लैकमेल होता था। अब अगर फिर से हमला हुआ तो पाकिस्तान व आतंकवादियों को अलग-अलग नहीं देखा जाएगा। आतंक की जड़ों पर फिर से प्रहार किया जाएगा और इस बार का प्रहार विनाशकारी एवं विध्वंसक होगा। पाकिस्तान द्वारा पोषित एवं पल्लवित आतंकवाद उसी के सर्वनाश का कारण बनेगा। पाक को बचना है तो उसे आतंकी ढांचे नष्ट करने होंगे। उन्होंने कहा कि हमारी मिसाइलें एवं ड्रोन ने पाक में न सिर्फ आतंकी ठिकानों को नष्ट किया बल्कि इसके साथ सौ से अधिक खुला आतंकियों को भी मार गिराया। पाक में आतंकवादियों के लिये जो जगह एवं संवेदनाएं हैं, उसको तोस में पाकिस्तान ने आतंकवाद की फसल को सींचने के लिये जो संरचना अपने देश में तैयार की है, उससे निकले आतंकवादियों ने भारत को ही बार-बार लहलुहात नहीं किया बल्कि



ब्रिटेन तथा अमेरिका के 9/11 जैसे हमलों को दुनिया के दूसरे हिस्सों में अंजाम दिया है। मोदी ने स्पष्ट किया कि पहलगाम आतंकी हमले में धर्म पूछकर निर्दोष पर्यटकों की हत्या करने वाले आतंकवादी भारतीय समाज के साम्प्रदायिक सौहार्द एवं समरसता को नुकसान पहुंचाने में पूरी तरह विफल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने साहस एवं निर्भीकता से पाक की आतंकी मानसिकता को दुनिया के सामने उजागर किया। आतंक की सरपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखा जाएगा। बुद्ध पूर्णिमा के दिन देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने साफ किया है कि यह युग युद्ध का नहीं है, लेकिन आतंकवाद का भी नहीं है। भारत सदियों से बुद्ध की संस्कृति व विचारों का पक्षधर रहा है। लेकिन शांति का रास्ता शक्ति के रास्ते से ही होकर जाता है और भारत ने अपनी शक्ति को दिखाते हुए न केवल पाकिस्तान को पस्त किया बल्कि दुनिया को चौंकाया भी है। बिना लाग-लपेट के प्रधानमंत्री ने साफ किया कि भारतीय शांति की नीति को कमजोरी न माना जाए, वक्त आने पर हम शक्ति दिखाने से भी नहीं चूकेंगे। अंधेरों को चीर कर उजाला की ओर बढ़ते भारत की महान यात्रा के लिये सबके जागने, संकल्पित होने एवं आजादी के अमृतकाल काल को अमृतमय बनाने के लिये दृढ़ मनोबली एवं सकारात्मक होने का आह्वान है। मोदी ने भारतीय वैज्ञानिकों की मेधा

को सराहते हुए कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक ने बता दिया है कि भारत आधुनिक तकनीक से युद्ध के लक्ष्यों को हासिल करने में सक्षम है। भारत ने स्वदेशी प्रयासों व आत्मनिर्भरता के संकल्प के साथ देश को सुरक्षा कवच देने में कामयाबी हासिल की है। ये तकनीकें इक्कीसवीं सदी की सामरिक चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम हैं। पाक द्वारा विश्व शक्तियों से हासिल मिसाइलों व ड्रोन को भारतीय वायु प्रतिरक्षा तंत्र ने जिस तरह नाकाम किया, उसने भारत के रक्षा उत्पादों की विश्वसनीयता पर मोहर लगाई है। हम न्यू इरा के वारफेयर मानकों की कसौटी पर खरे उतरे हैं। जो मेड इन इंडिया पर खरे उतरे हैं। जो मेड इन इंडिया की ओर ताकने की आदत छोड़नी होगी, राजनीतिक संकीर्णता से भी ऊपर उठना होगा, जिन्हें भारत पर विश्वास है, अपनी संस्कृति, अपनी बुद्धि और विवेक पर अभिमान है, उन्हें कहीं अंतर में अपनी शक्ति का भान है, वे जानते हैं कि भारत आज पीछे पीछे चलने की मानसिकता से मुक्ति की ओर कदम बढ़ा चुका है और ये स्थितियां हमने पाक के खिलाफ एक्शन में देख ली है। मोदी ने भारतीय समाज में एकजुटता को अपरिहार्य बताया और कहा कि जब हमारी संभुता और नागरिकों के जीवन पर संकट आया तो मुंहतोड़ जवाब जरूर दिया जाएगा। उन्होंने

देश के लोगों को भरोसा दिलाया कि भारतीय सेना और सुरक्षा बल किसी भी चुनौती के मुकाबले के लिये तैयार हैं। तब तक तैयार रहेंगे जब तक आतंक के अड़े खंडहरों में तब्दील नहीं हो जाते। सीमाओं पर शांति इस बात पर निर्भर करेगी कि पाक आतंकवाद को लेकर क्या रवैया अपनाता है। उन्होंने देश की माता-बहनों और बेटियों को आश्चस्त किया कि सरकार का ऑपरेशन सिंदूर उनकी अस्मिता व सुरक्षा के लिये समर्पित था। उस पर किसी कीमत पर आंच नहीं आने दी जाएगी। यह उद्बोधन भारत की भावी सुरक्षित एवं सशक्त दशा-दिशा रेखांकित करते हुए उसे विश्व की महाताकत बनाने का आह्वान है। यह शांति का उजाला, समृद्धि का राजपथ, उजाले का भरोसा एवं महाशक्ति बनने का संकल्प है। मोदी ने अपने इस संबोधन से अनेक निशाने साधे हैं। उनके अनुसार 2047 तक विकसित भुक्त बनाने के लिए पूरी जी-जान लगाकर दौड़ना होगा। पाक एवं क्षेत्रीय अस्थिरता इसमें बड़ी बाधा है, और भारत ने फिलहाल इसका इलाज कर दिया है। पाकिस्तान तक सख्त संदेश पहुंच चुका है। इस टकराव के आगे न बढ़ने और भारत के फिर से अपने लक्ष्य की ओर चलने से विश्व राजनीति एवं आर्थिक विकास में नई आशा का संचार हुआ है। मोदी के पाक के खिलाफ एक्शन को स्थगित करने की खुराखबरी के साथ दुनिया में दो बड़ी सकारात्मक खबरें भी आशा की किरण बनीं। एक आशा की किरण है अमेरिका और चीन के बीच जारी टैरिफ वॉर का टल जाना, दूसरी किरण तीन साल से ज्यादा समय से युद्ध में उलझे रूस और यूक्रेन में सुलह के लिये दोनों देशों के बीच पहली बार सीधी बातचीत होना। यूक्रेन युद्ध, टैरिफ वॉर और भारत-पाक तनाव ने दुनिया को गंभीर संकट में डाल दिया था। तीनों मोर्चों पर आई सकारात्मक खबरों का असर भारत सहित दुनिया के शेयर बाजारों में आया उछाल है।



सूक्ति

धन के लोभी के पास सच्चाई नहीं रहती और व्यक्तिवारी के पास पवित्रता नहीं रहती।

- चाणक्य

ना तो कोई किसी का मित्र है ना ही शत्रु है। व्यवहार से ही मित्र या शत्रु बनते हैं।

- हितोपदेश



आज का राशिफल

शुभ संवत 2082, शार्वे 1947, सौर्य गोष्ट, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष, वसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्व शुक्रोदय पूर्व तिथि चोय, शुक्रवासर, मूल नक्षत्र, साध्य चोय, वल करणे, धनु की चंद्रमा, ग्री गणेश चौथ व्रत, चंद्रोदय रात्रि 10/2 मूल समाप्त दिन के 1/59 पर रिवत वेष तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल

आज जन्म लिया बालक चोय, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमान, उत्तम प्रकृति वाला, जिद्दी-ह्दी, शिक्षक, लेखकार, प्रोफेसर, फ़िल्मकार, उत्तम व्यापारी, कुशल ववता-अधिवात, लेखक-कवि, राजदूत एवं प्रशासनिक अधिकारी होगा।

मेष राशि :- मनोबल उत्साहवर्धक रहेगा, कार्यरति में सुधार, शुभ समाचार अवश्य मिलेगा।

वृष राशि :- कुछ बाधाएं कष्टप्रद रहें, शरीर कष्ट, कारोबार में बाधा अवश्य बनेगी, ध्यान दें।

मिथुन राशि :- कार्य-कुशलता से संतोष, परिश्रम सफल होगा, रूची से सुख प्राप्त होगा।

कर्क राशि :- समय पर सोचे हुए कार्य होंगे, व्यवसाय क्षमता में वृद्धि होगी।

सिंह राशि :- कुटुम्ब की समस्याएं सुलझें तथा सुख शांति से समय व्यतीत होगी।

कन्या राशि :- रूची वर्ग से हर्ष-उल्लास, आशानुकूल सफलता का हर्ष, विष्टे कार्य बनेंगे।

तुला राशि :- योजनाएं पूर्ण होंगी, सतर्कता से कार्य निपटा लेंगे, रुके कार्य बन जावेंगे।

वृश्चिक राशि :- कार्यरति उत्तम, चिन्ताएं कम हों, प्रभुत्व एवं प्रतिष्ठा अवश्य मिलेगी।

धनु राशि :- आशानुकूल सफलता का हर्ष, कार्यरति उत्तम, भावनाएं संवेदनशील रहेंगी।

मकर राशि :- अधिकारी वर्ग के तनाव से चलेथ, मानसिक अशांति, कार्य अवरोध होगा।

कुंभ राशि :- मनोबल बनाये रखें किन्तु आपके हाथ से कुछ नया कार्य अवश्य ही होगा।

मीन राशि :- दैनिक कार्यरति उत्तम, कुटुम्ब में सुख, समय उत्तम ही बीतेगा।

पहलगाम हमले में टीआरएफ के साथ पाकिस्तानी हाथ



डॉ हिदायत अहमद खान

यह तो सभी मांगेंगे ही कि किसी को बड़ा अपराधी बनाने में किसी न किसी बड़ व्यक्ति या संगठन का हाथ होता है, ठीक वैसे ही जैसे कि आतंकवाद को पालने और पोसने में पाकिस्तान का बहुत बड़ा हाथ सदा से रहा है। इस बात को खुद पाकिस्तान के नेताओं ने समय-समय पर माना है, लेकिन इसका हल निकाल पाने में सभी नाकाम साबित हुए हैं। खासतौर पर तब जबकि पाकिस्तानी आगम खुद भी इस आतंकवाद से परेशान है, सरकार और सेना मिलकर कोई हल क्यों नहीं निकाल पा रही हैं, बड़ा सवाल है। पाकिस्तान के लिए भी ये आस्तीन के सांप ही साबित होते आए हैं, बावजूद इसके एक रिसायरी जमात इन्हें पालने और बढ़ाने में अपनी पूरी ताकत झोंकती आई है। इसका खामियाजा पड़ोसी मुल्कों को भी उठाना पड़ता है। इसी के चलते बीते माह 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के खूबसूरत पर्यटन स्थल पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने देश ही नहीं दुनियां को झकझोर कर रख दिया। आतंकियों के इस कायराणा हमले में दो दर्जन से ज्यादा निर्दोष पर्यटकों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए। शुरूआती जांच में ही इस आतंकी घटना के तार पाकिस्तान और लश्कर-ए-तैयबा के मुखौटा संगठन द रसिस्टेस फ्रंट (टीआरएफ) से जुड़ते दिखे। पहले टीआरएफ ने इस हमले की जिम्मेदारी सीना ठोंक कर ले ली थी। जब अंतर्राष्ट्रीय दबाव पड़ा और पाकिस्तान को भारतीय जवाब की सूझ आई तो टीआरएफ ने बयान बदल दिया और जिम्मेदारी लेने से साफ इंकार कर दिया। अब भारत ने इस आतंकी हमले से संबंधित पुख्ता सबूत संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में पेश कर दिए हैं, जिससे टीआरएफ और इसके संरक्षक पाकिस्तान की साजिश बेनकाब होती दिखी है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद रोधी कार्यालय और काउंटर टेररिज्म कमीटी एग्जीक्यूटिव डायरेक्टोरेट (सीटीईडी) के समक्ष विस्तार से जानकारी पेश की है। भारत

का साफ कहना है कि पहलगाम में जो आतंकी हमला हुआ, वह टीआरएफ द्वारा लश्कर-ए-तैयबा के निर्देश पर किया गया, और इसके पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की रणनीति थी। भारतीय अधिकारियों ने यूएन की 1267 प्रतिबंध समिति की गिनारानी टीम को भी टीआरएफ की गतिविधियों से अगमत कराया और टीआरएफ को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित करने की मांग रखी है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का बयाना है कि टीआरएफ का बयान और फिर उससे पलटना पाकिस्तान के दबाव में किया गया ताकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाक सरकार की छवि को नुकसान न पहुंचे। टीआरएफ, लश्कर-ए-तैयबा का ही नया चेहरा है, जिसे एफएटीएफ और अन्य अंतरराष्ट्रीय निगरान एजेंसियों की निगाह से बचाने के लिए एक 'लो-प्रोफाइल' आतंकी ब्रांड के रूप में पेश किया गया है। लेकिन भारत ने इन दो संगठनों की कड़ी साठगांठ के सबूत यूएन के सामने रखे हैं। इसी बीच भारत ने यह भी रेखांकित किया कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक एकजुटता आवश्यक है। यदि टीआरएफ जैसे आतंकी संगठनों को अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध सूची में शामिल नहीं किया जाता है तो आतंकवादियों को बल मिलता रहेगा और निर्दोष लोगों की जान यू ही जाती रहेगी। भारत का यह कदम पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक समर्थन जुटाने की दिशा में एक कदम अग्रसर है। भारत द्वारा दिए गए डिजिटल, कॉल रिकॉर्ड, फाइनैशियल ट्रेंडिंगेशन और इटेलिजेंस इनपुट्स के आधार पर माना जा रहा है कि यूएन टीआरएफ को प्रतिबंधित आतंकी संगठन घोषित करने की प्रक्रिया जल्द शुरू कर सकता है। अगर ऐसा होता है, तो टीआरएफ से जुड़े फंड, हथियार आपूर्ति और सीमा पार नेटवर्क पर काररा प्रहार हो सकेगा। भारत लंबे समय से यह प्रयास कर रहा है कि पाकिस्तान की छत्र युद्ध नीति, जो वह लश्कर और जैश जैश से संगठनों के जरिए चलाता है, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उजागर हो। पहलगाम हमले के बाद भारत की ओर से की गई यह कूटनीतिक कार्रवाई इस दिशा के एक महत्वपूर्ण कदम है। इस घटनाक्रम से यह भी स्पष्ट होता है कि अब भारत आतंकी हमलों के प्रति केवल सीमित जवाब देने की नीति से आगे बढ़ चुका है। भारत

डेंगू में लापरवाही जिंदगी पर पड़ सकती है भारी



श्वेता गोयल

(राष्ट्रीय डेंगू दिवस (16 मई) पर विशेष)

डेंगू एक ऐसी गंभीर बीमारी है, जिसके चलते हर साल काफी संख्या में लोगों की मौत हो जाती है। अब लापरवाह हर साल देश के विभिन्न राज्यों के अनेक इलाके डेंगू और वायरल बुखार के कोप से त्राहि-त्राहि करते नजर आते हैं और हम इस बेबसी पर केवल आंसू ही बहाते रह जाते हैं। इसीलिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष लोगों में डेंगू को लेकर जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से 16 मई को 'राष्ट्रीय डेंगू दिवस' मनाया जाता है। डेंगू के लगातार

सामने आते मामलों को देखते हुए डेंगू से बचाव को लेकर अत्यधिक सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि अभी तक इसकी कोई वैक्सीन नहीं बनी है, इसलिए डेंगू से बचाव के उपाय ही सबसे अहम हैं। मानसून के साथ डेंगू और चिकनगुनिया फैलाने वाले मच्छरों के पनपने का मौसम शुरू होता है, इसीलिए इस बीमारी को लेकर लोगों में व्यापक जागरूकता फैलाने के लिए सरकार द्वारा इसके लिए 16 मई का दिन निर्धारित किया गया। डेंगू नामक बीमारी कितनी भयावह हो सकती है, उसका अनुमान आतंकियों से आसानी से लगाया जा सकता है कि समय से उपचार नहीं मिलने के कारण डेंगू पीड़ित व्यक्ति की मौत भी हो जाती है। पिछले साल देश के विभिन्न राज्यों और विशेषकर उत्तर प्रदेश में डेंगू से पीड़ित हुए कई मरीजों की मौत के आंकड़े इसकी पुष्टि भी करते हैं। वैसे देश में डेंगू का जो प्रकोप देखा जाता रहा है, वह कोई नई बात नहीं है बल्कि प्रतिवर्ष मानसून के दौरान और उसकी विदाई के बीच डेंगू और मच्छर जनित बीमारियों का बोझाला बहुत ही सामान्य सी बात है। इसके बावजूद

हर साल की वही कहानी और डेंगू के कारण होती सैकड़ों मौतों के आंकड़े शासन-प्रशासन से लेकर सामुदायिक स्तर पर होती लापरवाही को ही स्पष्ट परिलक्षित करते रहे हैं। चिंता की बात यह है कि अब डेंगू के मामले केवल मौसम विशेष तक ही सीमित नहीं रहमे बल्कि सालभर डेंगू के मामले सामने आते रहते हैं। तमाम दूसरी बीमारियों की ही तरह डेंगू से बचाव का भी सबसे आसान और कारगर उपाय यही है कि उसकी चपेट में ही न आया जाए और इसके लिए अपेक्षित सावधानियां बरती जाएं। चूंकि डेंगू मच्छरों के कारण फैलता है और मच्छर प्रायः गंदगी और ठहरे हुए पानी में पनपते हैं, इसलिए सबसे जरूरी तो यही है कि डेंगू से बचने के लिए अपने आसपास स्वच्छता का पर्याप्त ध्यान रखा जाए। फिर भी यदि कोई व्यक्ति इस बीमारी की जद में आ जाए तो उसे बिना देर किए अपना उपचार शुरू कर देना चाहिए। यदि समय से सही इलाज नहीं मिले तो डेंगू अमूमन चार-पांच दिनों में ही गंभीर रूप धारण कर लेता है। हालांकि कई बार कुछ मरीजों में यह देखने को भी मिलता है कि डेंगू से पीड़ित



व्यक्ति को बुखार आना बंद हो जाता है और ऐसी स्थिति में मरीज और उसके परिजनों को यही लगता है कि मरीज से उबर गया है लेकिन ऐसे अधिकांश मामलों में लापरवाही मरीज की जान पर भारी पड़ जाती है। किसी भी व्यक्ति में डेंगू के शुरूआती लक्षण उभरने के बाद तो ऐसी विकट परिस्थितियों से सामना न हो, उसके लिए जरूरी है कि लोगों को डेंगू से बचाव के लिए जागरूक करने पर विशेष जोर दिया जाए। दरअसल जानलेवा डेंगू से बचने के लिए सावधानियां और सतर्कता बरता जाना बेहद जरूरी है। डेंगू हो

या मच्छर जनित अन्य बीमारियां, उनसे बचने के लिए अपने आसपास के स्थान की समुचित साफ-सफाई करने को अपनी आदतों का हिस्सा बना लेना अत्यंत आवश्यक है। दरअसल अमूमन देखा जाता है कि लोग अपने घरों की साफ-सफाई में कर लेते हैं किन्तु अपने आस-पड़ोस की उन्हे कोई फिक्र नहीं होती। इस स्तर पर बरती जाने वाली लापरवाही प्रायः बहुत भारी पड़ती है। यदि किसी व्यक्ति को डेंगू हो भी जाए तो सबसे जरूरी है उसकी डाइट पर विशेष ध्यान दिया जाए और उसके इम्यून सिस्टम को सही रखने का भी

प्रयास किया जाए। डेंगू के मरीज को संतुलित और पौष्टिक आहार ही दिया जाना चाहिए। डेंगू के उपचार में बहुत से लोग घरेलू नुस्खों का भी सहारा लेते हैं और इन नुस्खों में तुलसी का उपयोग बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसके अलावा डेंगू हो जाने पर घरेलू नुस्खों में नारियल पानी एक अच्छा विकल्प है, जिसे शरीर में रक्त कोशिकाओं की कमी को पूरा करने में मददगार माना जाता है। दरअसल नारियल पानी में काफी मात्रा में इलेक्ट्रोलाइट्स के अलावा बहुत सारे खनिज पदार्थ भी होते हैं। डेंगू के उपचार में विटामिन सी से भरपूर वस्तुओं का उपयोग भी बहुत लाभकारी माना गया है, जो शरीर के रोग प्रतिरोधी तंत्र को मजबूत बनाए रखती हैं। इसलिए डेंगू हो जाने पर विटामिन सी से भरपूर फलों का सेवन करना लाभकारी है। बहरहाल, यदि इसके बावजूत मरीज की स्थिति में कोई सुधार नजर नहीं आए या परेशानियां बढ़ती दिखें तो तुरंत अपने चिकित्सक या नजदीकी किसी व्यक्ति को डेंगू हो भी जाए क्योंकि डेंगू के इलाज में लापरवाही मरीज की जिंदगी पर बहुत भारी पड़ सकती है।

डिजिटल पर्दे पर कामुकता की तिजारत!



सोनम लववैशी

संस्कृति, चेतना और सामाजिक अनुशासन को तमाम परंपराएं उस समय ठिठककर खड़ी रह जाती हैं, जब किसी समाज में नंगई की 'स्वतंत्रता', अश्लीलता को 'प्रयोग', और उत्तेजना को 'रचनात्मकता' कहकर स्वीकार कर लिया जाता है। ओटीटी प्लेटफॉर्म के उल्लू एप पर प्रसारित हो रहा एक शो 'हाउस अरेस्ट' इसी अंधेरे की ओर हमारा ध्यान खींचता है, जहाँ मनोरंजन के नाम पर मूल्यों की अस्थिर सजाई जा रही है। 20 अप्रैल, 2025 से प्रसारित यह शो, जिसे होस्ट कर रहे हैं पूर्व बिग बॉस प्रतिभागी एजाज खान केवल एक रियलिटी शो नहीं, बल्कि समाज के उस गिरते हुए मानसिक धरातल की गवाही है, जहाँ टास्क के नाम पर प्रतिযোগियों से अंतरंग मुद्राओं का अभ्यास करवाया जा रहा है।

कैमरे के तारने, कपड़े पहनकर गरिमा को तार - तार किया जा रहा है। शो की एक क्लिप में जब एक महिला प्रतिभागी मासूमियत से अपनी जानकारों 'डॉंग पोजिशन' या 'अप-डाउन' जैसे शब्दों में व्यक्त करती है, और दर्शकों की वाहवाही पाती है, तब प्रश्न यह उठता है कि क्या अब शालीनता बारी विषय हो चुका है? वास्तव में यह शो एक सतही प्रवृत्ति की उपज है, जहाँ न सामाजिक उत्तरदायित्व है, न रचनात्मक विवेक। नारी-पुरुष संबंधों की मर्यादों को जिस चंचलता और अश्लील चेष्टाओं के सहारे टास्क बनाया गया है, वह दर्शाता है कि अब वयस्क कंटेंट और विवेकहीन कंटेंट में कोई अंतर नहीं रहा। यह केवल शो नहीं, चेतना पर आघात है एक ऐसी पीढ़ी के नाम जो यह देख रही है, सीख रही है, और आगे यही बनना चाह रही है। ऐसी सामग्री का मनोवैज्ञानिक असर गहरा और दीर्घकालिक होता है। किशोरावस्था में जब पहचान और सोच का निर्माण हो रहा होता है, तब इस तरह के दृश्य मस्तिष्क में यौनिकता की विकृत छवियाँ अंकित कर देते हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड

ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में नाबालिगों द्वारा किए गए यौन अपराधों में पिछले 5 वर्षों में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। क्या यह महज संयोग है कि उसी दौर में इंटरनेट और ओटीटी पर इस तरह की सामग्री की बाढ़ आई? भारत में 2023 के आंकड़ों के अनुसार, 43 प्रतिशत ओटीटी दर्शक वयस्क सामग्री को प्राथमिकता देते हैं। यही तथ्य प्लेटफॉर्म की रणनीति बन चुका है जहाँ भावनात्मक संबंध को भुनाया जाता है और यही वह खतरनाक मोड़ है, जहाँ एक समाज अपने नैतिक संतुलन को खो देता है। 'हाउस अरेस्ट' जैसे कार्यक्रम केवल क्षणिक उत्तेजना का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे सामाजिक आदर्शों को दीमक की तरह खोखला कर रहे हैं। नारी को केवल दृश्य माध्यम का उपकरण बना देना, उसके अस्तित्व को 'कंटेंट' में सीमित कर देना, वह भी स्वयं की स्वीकृति के साथ ये वह चुपची है जो आने वाले समय में सामाजिक विस्फोट का कारण बन सकती है। विडंबना यह है कि इसे 'बोल्टडोनेस', 'ओपन माईडडेनस' और 'फ्रैंकनेस' जैसे शब्दों की

चमकदार चादर में लपेट दिया गया है और अगर कोई प्रश्न करे, तो वह 'पिछड़ा', 'रूढ़िवादी' या 'मॉरल पुलिस' करार दिया जाता है। लेकिन क्या सभ्यता इतनी उन्नत हो चुकी है कि अब विवेक पर प्रसन्नचिह्न लगाया अपराध हो गया है? 'हाउस अरेस्ट' केवल एक मंच नहीं, यह एक समाजशास्त्रीय चेतावनी है जो एक संकेत है कि हम किस दिशा में बढ़ रहे हैं। आने वाली पीढ़ी अगर इन दृश्यों में 'टास्क' देखती है और सम्मान, संबंध, मर्यादा जैसे शब्द उसे बेमानी लगने लगते हैं, तो फिर यह नासमझी नहीं, हमारी चूक है। यहाँ सवाल केवल किसी एक शो का नहीं है, बल्कि उस सोच का है जो इसे जन्म देती है, बढ़ावा देती है और उसे सामान्य मानने लगती है। जब सरकारों केवल 'आत्म-नियंत्रण' की बात करती हैं और ओटीटी प्लेटफॉर्मस व्यावसायिक लाभ के लिए किसी भी सीमा को लांघते हैं, तब मूल्यों का अपमान भी एक व्यापारिक रणनीति बन जाता है। हाउस अरेस्ट जैसे कार्यक्रम यह बताते हैं कि मनोरंजन के नाम पर समाज किस गहराई तक गिर सकता है।

संथाल संंध्या

संक्षिप्त समाचार

धनबाद में खुला सेंद्रल बैंक ऑफ इंडिया का क्षेत्रीय कार्यालय

धनबाद, एजेंसी। उपायुक्त माधवी मिश्रा ने बुधवार को धनसार रोड स्थित सेंद्रल बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि निजी बैंकों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए आज यह सरकारी बैंक भी अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रही है। धनबाद में बैंक का क्षेत्रीय कार्यालय खुलने से धनबाद का मान और बढ़ा है। यह धनबाद के विकास के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को परिलक्षित करता है। मौके पर सेंद्रल बैंक के आवलिक प्रमुख (पटना जोन) राजीव रंजन सिन्हा, क्षेत्रीय प्रमुख विवेक कुमार पांडेय, मुख्य प्रबंधक वाइडी मिश्रा, चौधरी जयप्रकाश व अन्य अधिकारी व उद्यमी उपस्थित थे।

इमरजेंसी के मरीजों का डेटा आज से होगा ऑनलाइन

धनबाद, एजेंसी। एसएनएमएमसीएच इमरजेंसी में भर्ती मरीजों का डेटा युगुवार से ऑनलाइन हो जायेगा। अस्पताल में भर्ती होने वाले सभी मरीजों की जानकारी कंप्यूटर मे दर्ज की जायेगी। अस्पताल प्रबंधन ने गुरुवार से इमरजेंसी के मरीजों की जानकारी ऑफ़लाइन दर्ज करना बंद करने का निर्देश जारी कर दिया है। प्रक्रिया ऑनलाइन करने के लिए एसएनएमएमसीएच के इमरजेंसी में कंप्यूटर, प्रिंटर सहित अन्य उपकरण बुधवार को लगा दिये गये हैं। इसके अलावा ओपीडी का समय समाप्त होने के बाद इलाज कराने इमरजेंसी पहुंचने वाले मरीजों को कंप्यूटराइज्ड फर्मी दी जायेगी। इमरजेंसी में चिकित्सा परामर्श प्राप्त करने वाले मरीजों का रिकॉर्ड कंप्यूटर में दर्ज होगा। बता दें कि एसएनएमएमसीएच के विभिन्न विभागों में चिकित्सा व्यवस्था ऑनलाइन करने की तैयारी अस्पताल प्रबंधन ने शुरू कर दी है। इमरजेंसी की व्यवस्था भी ऑनलाइन हो जायेगी।

पुलिस लाइन में खुला कैंटीन, पुलिसकर्मियों को मिलेगा डिस्काउंट

धनबाद, एजेंसी। एसएसपी हदीप पी जनादन्नन ने बुधवार को पुलिस लाइन में पुलिस कैंटीन का उद्घाटन किया। इस दौरान एसएसपी ने कहा कि इस कैंटीन में पुलिसकर्मियों को घरेलू जरूरत के सभी सामान एक ही छत के नीचे उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि नौकरी और व्यस्तता के कारण कई बार पुलिसकर्मों घरेलू जरूरतों के सामानों से वंचित रह जाते हैं। इसलिए पुलिसकर्मियों की जरूरत को देखते हुए पुलिस परिवार के लिए पुलिस लाइन में कैंटीन निर्माण का निर्णय लिया गया था। कैंटीन में रोजमर्रा की जरूरत के सामान, फ़ूड आइटम, ग़्रोसरी, लगेज, इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स सामान समेत सामान उपलब्ध हैं। विभिन्न आइटम में मिलेगा डिस्काउंट विभिन्न आइटम में पुलिसकर्मियों को डिस्काउंट भी मिलेगा। मौके पर सिटी एसपी अजीत कुमार, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, डीएसपी विधि–व्यवस्था नौशाद आलम, डीएसपी मुख्यालय–2 धीरेंद्र नारायण बंका, डीएसपी मुख्यालय–1 शंकर कामती, डीएसपी सीसीआर सुमित कुमार, डीएसपी साइबर संजीव, डीएसपी ट्रैफ़िक अरविंद सिंह, सर्जेंट मेजर विनोद कुजूर, सर्जेंट प्रवीण कुमार, अर्जुन महथा, लक्ष्मण मेहता, चारु बंदिद्या, पुलिस मेंस एसोसिएशन के अध्यक्ष लोर सिंह मुन्हा, उपाधीक्षक रितेश सिंह, कोषाध्यक्ष मस्त मौला यादव समेत अन्य मौजूद थे।

जैक 9वीं की परीक्षा में कोडरमा-हजारीबाग का दबदबा

रांची, एजेंसी। झारखंड अकादमिक काउंसिल ने 2025 में 9वीं कक्षा का रिजल्ट जारी कर दिया है। इस बार के रिजल्ट में छात्र-छात्राओं ने बेहतर प्रदर्शन किया है। सभी जिलों में छात्र–छात्राओं की पास प्रतिशत दर अलग–अलग रही, जिससे यह स्पष्ट होता है कि हर क्षेत्र में शिक्षा का स्तर अलग–अलग है। झारखंड बोर्ड की 9वीं कक्षा की परीक्षा में कुल छात्रों ने अच्छा प्रदर्शन किया है और रिजल्ट से जुड़ी जानकारी राज्य के विभिन्न जिलों के अनुसार अलग–अलग दिखी है। इस लेख में हम झारखंड बोर्ड के 9वीं रिजल्ट 2025 का जिलावार प्रदर्शन बताएंगे। कोडरमा और जमशेदपुर जैसे बड़े शहरी जिलों में पास प्रतिशत 99।54 और 99।137 के करीब रहा, जो अन्य जिलों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन को दर्शाता है। वहीं, कई ग्रामीण और पिछड़े जिलों में पास प्रतिशत लगभग 90 प्रतिशत रे उपर रहा है। छात्रों ने विभिन्न विषयों में अच्छी प्रगति दिखाई है, विशेष रूप से विज्ञान, गणित और सामाजिक अध्ययन में बेहतर अंक प्राप्त किए गए हैं।

आरक्षक की हत्या : 4 रेत माफिया झारखंड से

बलरामपुर, एजेंसी। बलरामपुर जिले के सनावल थाना क्षेत्र में रेत का अवैध खनन और परिवहन रोकने गए आरक्षक की ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या कर दी गई थी। मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को झारखंड के गढ़वा से गिरफ्तार किया है। घटना में शामिल अन्य लोगों की खोजबीन की जा रही है। हाईकोर्ट ने आरक्षक की हत्या मामले में संज्ञान लिया है। छद्मक़ खनिज सचिव और वन विभाग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

आरक्षक को ट्रैक्टर से कुचला था : सनावल थाना क्षेत्र के ग्राम लिबरा में 12 मई 2025 की रात करीब 11 बजे सनावल की पुलिस टीम और वन विभाग की टीम कनहर नदी पर रेत के अवैध उखनन की सूचना पर कारंवाई के लिए पहुंची थी। कारंवाई के दौरान भाग रहे एक ट्रैक्टर को रोकने की कोशिश कर रहे आरक्षक शिव बचन सिंह को एक ट्रैक्टर चालक कुचलकर भाग निकला था। गंभीर रूप से घायल आरक्षक शिव बचन सिंह की रामानुजगंज लाने के दौरान मौत हो गई।

जमशेदपुर में टांगी से महिला-पुरुष पर हमला, एक की मौत

जमशेदपुर, एजेंसी। आदित्यपुर के आरआईटी के कुलुपटांगा से सटे राधा स्वामी सलंग गेट के समीप लिंव इन रिलेशन में रह रहे महिला पुरुष पर टांगी से हमला किया गया। जिन पर हमला किया गया है, उनके नाम भोला बिरुआ उर्फ रितेश बिरुआ (35) और सीता माडी है। दोनों पर हमला करने का आरोप महिला के पति राजेंद्र माडी पर लगा है।

राजेंद्र ने दोनों पर हमला तब किया जब वे सो रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही आरआईटी थाना गश्ती दल मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को एमजीएम अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने भोला बिरुआ को मृत घोषित कर दिया। वहीं सीता माडी की स्थिति नाजुक बनी हुई है।

एक साल से लीव इन में थे दोनों : इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार दोनों महिला- पुरुष रिलेशनशिप में विगत एक वर्षों से रह रहे थे। महिला सीता माडी विवाहित है और अपने पति राजेंद्र माडी से विगत एक साल से अलग रह रही थीं। उसके चार बच्चे हैं। भोला उर्फरितेश बिरुआ सिक्योरिटी गार्ड का काम करता था। दोनों साथ में ही रहते थे। दोनों का साथ रहना महिला के पति राजेंद्र माडी को नागवार पुंजर रहा था। जब भी वह इसका विरोध करने आता था तो भोला मारपीट कर उसे भगा देता था। जानकारी के अनुसार बीती रात राजेंद्र ने दोनों का खेल खत्म करने की नीयत से कुलुपटंगा पहुंचकर सोए अवस्था में टांगी से दोनों पर जानलेवा हमला कर दिया। थाना प्रभारी विनय कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला प्रेम प्रसंग का है। अपराधी की पहचान कर ली गई है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।मृतक रितेश के भाई अजीत ने बताया कि महिला के साथ में उसके भाई का प्रेम प्रसंग था। वह अपना घर छोड़कर अपनी प्रेमिका के साथ में रह रहा था। अचानक सूचना मिली कि उस पर जानलेवा हमला हुआ है।

जमशेदपुर में मवेशी से टकराई बुलेट, युवक की मौत:हेलमेट नहीं पहनने से सिर में लगी गंभीर चोट

जमशेदपुर, एजेंसी। जेम्को चौक के पास बुधवार की रात 10.30 बजे सड़क दुर्घटना में बुलेट सवार संदीप दास (20) की मौत हो गई है। उसके सिर पर गंभीर चोट आई है। उसने हेलमेट नहीं पहन रखा था। घटना के बाद घायल संदीप को परिवार वाले इलाज के लिए रात 11.15 बजे एमजीएम अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

वहीं घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने बताया कि संदीप की बुलेटसांड से टकरा गई, जिससे वह गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया था। वहीं परिजनों का कहना था कि किसीअज्ञात वाहन की चपेट में आने से दुर्घटना हुई है।

पिता की भी सड़क हादसे में गई है जान :

उड़ीसा में हुई सड़क दुर्घटना में गोमिया के युवक की मौत, गांव में पसरा मातम

नागेश्वर, एजेंसी। बोकारो जिले के गोमिया प्रखंड अंतर्गत स्वांग दक्षिणी पंचायत के न्यू माइनस निवासी राजू मिश्रा के 28 वर्षीय पुत्र कर्ण मिश्रा का उड़ीसा के छत्तीसगढ़ में एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गयी। कर्ण मिश्रा झारसुगुड़ा में जिम चलाते थे। युवक के मौत की खबर से गोमिया में शोक की लहर दौड़ पड़ी। आज देर शाम मृतक का शव गोमिया पहुंचेगा।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कर्ण मिश्रा एक दिन पूर्व झारसुगुड़ा गये थे। कल बुधवार की शाम मिश्रा अपनी बाइक से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान सड़क में एक साइकिल सवार वृद्ध को बचाने के क्रम में बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गयी। घायल युवक को अस्पताल के जाने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। इस हादसे में वृद्ध को भी हल्की चोटें आयी है, जिसका स्थानीय अस्पताल में फिलहाल इलाज चल रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।



चार आरोपी झारखंड से पकड़े गए : मामले की जांच में जुटी सनावल पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 103(1), 109, 121(1), 132, 221, 61(2), 3(5), 238, 249 एवं भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 33(1)(ख), 52 और वन एवं खनिज अधिनियम 1957 की धारा 04/21 के तहत मामला दर्ज किया था। पुलिस की 4 टीमें लगातार झारखंड में छपेमारी कर रही थी। पुलिस ने मामले में आरोपी आरीफूल हक (24 वर्ष), जमील अंसारी (41

वर्ष), शकील अंसारी (22वर्ष), तीनोंनिवासी सेराजनगर, जिला गढ़वा (झारखंड) और अकबर अंसारी (50 वर्ष) निवासी अरस्ली, गढ़वा (झारखंड) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2 ट्रैक्टर जब्त किए हैं। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

हाईकोर्ट ने लिया है संज्ञान : मामले को बिलासपुर हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान में लेकर सुनवाई करते हुए डीजीपी, खनिज सचिव और वन विभाग को नोटिस जारी किया है। हाईकोर्ट ने कहा कि, अवैध खनन

रोकने निर्देश के बाद यह हालात है, जो बहुत ही गंभीर बात है। स्टेट अफेयर्स की ऐसी हालत है। हाईकोर्ट की सख्ती के बाद पुलिस और वन विभाग ने रेत तस्करी रोकने ताकत झोंकी है।

पुलिस पर तस्करो के संरक्षण का आरोप : आरक्षक की ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या के मामले में सरगुजा रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) दीपक कुमार झा ने सनावल थाना प्रभारी दिव्य कांत पांडेय को सस्पेंड कर दिया था। लिबरा में अवैध रेत खनन की शिकायत ग्रामीणों से पुलिस ने की थी। पुलिस ने शनिवार की शाम 3 ट्रैक्टरों को पकड़ा भी था, जिन्हें दूसरे दिन छोड़ दिया गया। बताया गया है कि राजनैतिक संरक्षण के कारण पकड़े गए ट्रैक्टरों को छोड़ा गया था।

मंत्री नेताम ने की घटना की निंदा : मामला प्रदेश के कृषि मंत्री रामविचार नेताम के गृहक्षेत्र का है। क्षेत्र में होने वाले अवैध रेत खनन में उनके समर्थक भी आरोपों से बाहर नहीं हैं। ऐसे में घटना के तीन दिनों बाद मंत्री राम विचार नेताम का एक बयान

बलरामपुर पीआरओ द्वारा जारी किया गया है। रामविचार नेताम के बयान में हादसे में मारे गए आरक्षक को पारिवारिक सदस्य की तरह बताया है। मंत्री नेताम के बयान के अनुसार उन्होंने मामले को लेकर मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव से मिलकर उन्हें घटना से अवगत कराया है। नेताम ने बलरामपुर कलेक्टर और एसपी को निर्देश दिया है कि रेत माफियाओं और अपराधियों के खिलाफ कड़ी कारंवाई की जाए। उन्होंने झारखंड के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर रेत माफियाओं पर कारंवाई के लिए कहा है।

डेढ़ दशक से रेत तस्करी का गढ़ बना इलाका : बलरामपुर का सहदी इलाका डेढ़ दशक से रेत तस्करी का गढ़ बना हुआ है। सनावल क्षेत्र के दर्जनभर रेत घाटों से रेत उत्तरप्रदेश में भेजी जाती रही है। प्रदेश में सरकार बदलती रही, लेकिन रेत तस्करी नहीं रुकी। उत्तरप्रदेश को जिन घाटों से रेत भेजी जाती थी, उनमें ज्यादा रेत नहीं बची तो झारखंड के तस्कर सक्रिय हुए।

एमबीए के छात्र को रिकॉर्ड 50.39 लाख का पैकेज मिला, 59प्रतिशत फ्रेशर्स को मिली जॉब

रांची, एजेंसी। 16 वर्ष पहले रांची में आईआईएम की शुरुआत हुई थी। इन वर्षों में आईआईएम ने 17वां रैंक हासिल कर रिकॉर्ड बनाया है, जबकि पिछले साल यहां का रैंक 24वां था। अकादमिक सत्र 2023-2025 में संचालित एमबीए, एमबीए-एचआर और एमबीए-बीए प्रोग्राम के विद्यार्थियों ने समर प्लेसमेंट से लेकर फाइनल प्लेसमेंट में सफलता हासिल की। विद्यार्थियों ने देशी कर्पनियों के साथ विदेशी कंपनियों में हाई पैकेज सीटीसी हासिल की है।

बुधवार को आईआईएम कैंपस में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में निदेशक प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में डीन अकादमिक प्रो. तनुश्री दत्ता, कॉर्पोरेट रिलेशन्स के चेयरपर्सन प्रो. राजीव वर्मा व कॉर्पोरेट रिलेशन्स के पूर्व चेयरपर्सन प्रो. वरुण एलेम्ब्लास्सेरी ने आईआईएम रांची के सत्र 2023-25 का फाइनल प्लेसमेंट रिकॉर्ड जारी किया।



इस अवसर पर एडमिनिस्ट्रेटिव एसोसिएट अभिषेक रॉय व अन्य मौजूद रहे। कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में 96 कंपनियां ऐसी थीं, जिन्होंने तीनों प्रोग्राम के विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर दिए। इनमें मल्टी नेशनल कंपनी और देशी कंपनियां का औसत 50-50 फीसदी रहा। कैंपस प्लेसमेंट में शामिल हुए छात्र ने बीते वर्ष की तुलना में देशी कंपनियों में 33प्रतिशत से भी अधिक का वार्षिक पैकेज हासिल किया। 110 नई कंपनियां भी यहां आई। इस दौरान 89 कर्पनियों के नेतृत्वकर्ताओं ने विद्यार्थियों

को लीडशिप टॉक के जरिए प्रोत्साहित किया। साथ ही विद्यार्थियों को 119 कंपनी के वर्चुअल लाइव प्रोजेक्ट्स से जुड़कर सीखने का अवसर भी मिला।

बैंकिंग, फाइनांस, इश्योरेंस, फिनटेक कंपनियों ने दिए सर्वाधिक जॉब ऑफर कैंपस प्लेसमेंट के दौरान विद्यार्थियों को सर्वाधिक जॉब ऑफर बैंकिंग, फाइनांस, इश्योरेंस व फिनटेक कंपनियों से मिले। इनमें देशी कंपनियों के साथ मल्टी नेशनल कंपनियां भी थी। विद्यार्थियों ने कंसल्टिंग एंड प्रोफेशनल सर्विस सेक्टर, कॉमर्स एंड टेक,

विदेशी बाजारों में पहुंचेगा करंज का बीज, इस अंतरराष्ट्रीय कंपनी के साथ एमओयू पर सहमती

रांची, एजेंसी। बड़ी विदेशी कंपनी अब झारखंड से करंज (पोंगामिया) के बीज खरीदेंगे। इसके लिए झारखंड सरकार की संस्था सिदो-कान्हू एग्रीकल्चर एंड फॉरेस्ट प्रोड्यूस को-ऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड (सिद्धकोफेड) और अंतरराष्ट्रीय कंपनी टर्विवा के बीच एमओयू होगा। राज्य के किसानों और टर्विवा के बीच सिद्धकोफेड समन्वय का काम करेगी। फेडरेशन ने एमओयू का प्रारूप तैयार किया है, जिस पर फेडरेशन की उपाध्यक्ष सह कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिकी ने सहमति जता दी है। वहीं, विभाग भी एमओयू के प्रारूप पर मंथन कर रहा है।

टर्विवा की टीम ने झारखंड में करंज के बाजार का आकलन आकर चुकी है। टर्विवा कंपनी अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में काम करती है। इसके अलावा भारत के प्लेन में भी टर्विवा का प्रोसेसिंग प्लांट है। यहां से प्रोसेस कर उत्पाद विदेशों में भेजा जाता है। कंपनी करंज के बीज से सरस्तेनबल एविएशन प्यूल (एसएएफ) बनाती है। इससे खाद्य तेल भी बनाया जाता है। कंपनी इसके लिए दूसरी कंपनियों से समझौता किया है। इसके अनुसार



सालाना 5,00,000 किलोलीटर एसएएफ को आपूर्ति सुनिश्चित करना है। जानकारी के अनुसार कंपनी वित्तीय वर्ष 2028 में अपने ठोकूयामा कॉम्प्लेक्स में सालाना 2,50,000 किलोलीटर एसएफ उत्पादन करने की योजना बना रही है।

झारखंड में पहले चरण में करीब 1 लाख टन करंज के बीज संग्रहण की योजना है। इसके लिए सिद्धकोफेड ने सभी जिलों में संग्राहकों के साथ बैठक की है। संस्था का मानना है कि जून से इसका संग्रहण कर कंपनी

बेरमो में गोली मारकर व्यक्ति की हत्या, घटनास्थल पर पहुंचे विधायक जयराम महतो

बोकारो, एजेंसी। झारखंड के बोकारो में बुधवार देर रात एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। जानकारी के अनुसार, बोकारो के बेरमो अनुमंडल के नावाडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत ऊपरघाट स्थित बारीडीह के जंगल में एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। घटना बुधवार रात लगभग बारह बजे की बतायी जा रही है। मृत व्यक्ति की पहचान हजारीबाग के विष्णुगढ़ थाना अंतर्गत सिरई के रहने वाले तुलसी पंडित के 42 वर्षीय पुत्र हेमलाल पंडित के रूप में की गयी है। मामले की जानकारी मिलने पर डुमरी विधायक जयराम महतो घटनास्थल पर पहुंचे।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि सिरई निवासी तुलसी पंडित और उनका पुत्र हेमलाल पंडित सोखागिरी और झाड़-फूंक का काम करते थे। ये दोनों बुधवार की रात नावाडीह में किसी व्यक्ति के घर से सोखागिरी और झाड़-फूंक का काम करके अपनी कार जेएच 01एफएन-6635 से घर लौट रहे थे। लेकिन बारीडीह जंगल में एक बाइक पर सवार तीन युवकों ने इनकी कार को ओवरटेक कर रोका। फिर, उन दोनों से वंशी जाने का रास्ता पूछा। रास्ता बताने के लिए जैसे ही उन्होंने कार का शीशा नीचे किया, वैसे ही एक युवक ने हेमलाल पंडित की कनपटी में सटाकर गोली मार दी।

एफएमसीजी, आईटी, मैनुफैक्चरिंग समेत अन्य में जगह बनाई। प्लेसमेंट ड्राइव में बीते वर्ष से 33.33प्रतिशत अधिक कंपनियां स्ट्रेटजी एंड कंसल्टिंग क्षेत्र से पहुंचीं। सेल्स एंडमार्केटिंग सेक्टर में विद्यार्थियों को बीते वर्ष की तुलना में 28.6प्रतिशत ज्यादा कंपनियों ने प्री-प्लेसमेंट ऑफर (पीपीओ) दिया। इन कंपनियों में एमबीए के छात्र बतौर टेक कंसल्टिंग एनालिस्ट, डाटा एंड एआई कंसल्टिंग, फंशनल कंसल्टिंग, टेक स्ट्रेटजी व कसल्टेंट के पद पर चुने गए।

श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 25प्रतिशत छात्रों को 26.79 लाख का वार्षिक पैकेज मिला। एमबीए प्रोग्राम से कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में शामिल हुए 59प्रतिशत फ्रेशर्स यानी पहली बार नौकरी पेशा से जुड़ने वाले छात्र थे, इनमें 31प्रतिशत छात्राएं थीं। एमबीए के छात्रों को 81 कंपनियों ने प्लेसमेंट ऑफर दिया।

हिंदुओं की कुटुंब प्रणाली और जनसंख्या नीति खतरे में

संजय कुमार, रांची। विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय महामंत्री बजरंग बागड़ा ने कहा कि भारतवर्ष के हिंदुओं ने साढ़े सात सौ वर्ष तक इस्लामिक शासन और दो सौ वर्षों का ईसाई शासन को झेला, इसके बावजूद अपने अस्तित्व को बचा कर रखने में सफल रहा है। इसका मुख्य कारण कारण विवाह और कुटुम्ब प्रणाली है।

परंतु आज के मौजूदा दौर में हिंदुओं के कुटुंब और विवाह प्रणाली में हो रहे परिवर्तन के कारण हमारा अस्तित्व खतरे में है और यह हिंदू समाज के नाश का कारण बन सकता है। इसलिए समय इसे हर हाल में ठीक करना होगा। दो दिवसीय प्रवास पर मंगलवार को रांची पहुंचने के बाद वे होटल ग्रीन एक्स में विह्वि से जुड़े अधिवक्ताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने हट्टिया में सामाजिक समरसता से जुड़े लोगों और मोरहाबादी में व्यापारियों के साथ भी बैठक



की। अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए बागड़ा ने हिंदू परिवारों की कुटुंब प्रणाली और जनसंख्या नीति में आए कई बदलाओं पर चिंता जाहिर करते हुए आग्रह किया कि यदि हिंदू परिवारों ने सामूहिकता की भावना को बढ़ावा नहीं दिया और जन्म दर को बढ़ाकर कम से कम तीन बच्चों का नहीं किया गया, तो हम हिंदुओं का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। उन्होंने श्रीराम मंदिर से जुड़े अभियान की

सफलता और प्रयाग राज के महाकुंभ में 66 लाख हिंदुओं के भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि इन कार्यक्रमों से विश्वभर में नई ऊर्जा की जागृति हुई है, परन्तु यह जागृति हमें सिर्फ धार्मिक आयोजनों एवं मंदिरों तक ही सीमित नहीं रखना है।

उन्होंने आगाह किया और कहा कि यदि हम अभी नहीं संभले, तो निकट कुछ वर्षों में हमारी जनसंख्या मुसलमानों से कम हो जाएगी। ऐसी

स्थिति में हमारे वोट करने का प्रतिशत घटा, तो हम शासन प्रणाली में अपनी भागीदारी को गवां बैठेंगे और हमपर अत्याचार बढ़ जाएगा।

कार्यक्रम में विह्विप के क्षेत्र मंत्री वीरेंद्र विमल, झारखंड प्रांत मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र, संयोजक रंगनाथ महतो, संगठन मंत्री देवी सिंह, विधि प्रकोष्ठ प्रांत प्रमुख और वरिष्ठ अधिवक्ता राजेंद्र कृष्ण, सेवानिवृत्त जज शिवापाल सिंह सहित झारखंड उच्च न्यायालय एवं सिविल कोर्ट रांची के अधिवक्ता ने इस बैठक में हिस्सा लिया।

बिरसानगर हट्टिया में समरसता संगोष्ठी को संबोधित करते हुए बजरंग बागड़ा ने कहा कि हम सभी हिंदू भारत मां की संतानें हैं इस नाते सहोदर हैं। कोई छेड़ता या बड़ा नहीं है।

उन्होंने सभी से आग्रह किया कि जातिगत भावना से ऊपर उठकर हम सभी हिंदू एक हैं। यह भाव अपने अंदर भरते हुए समरसतायुक्त समाज के निर्माण में सहभागी बनें।

पिंक सिटी बस सेवा पड़ी फीकी, आम बसों में सफर करने को मजबूर महिलायें

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में सरकार ने महिलाओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पिंक सिटी बस की सेवा शुरु की। लेकिन इस सेवा का लाभ शहर की महिलाओं को ठीक से नहीं मिल पा रहा है। जानकारी के अनुसार, रांची में केवल 3 पिंक सिटी बस चल रही हैं। जबकि महिलाओं की संख्या ज्यादा है। ऐसे में महिलायें आवागमन के लिए भीड़-भाड़ वाले सामान्य सिटी बसों का उपयोग करने और असुरक्षित यात्रा करने के लिए मजबूर हैं। कई बार बसों में ज्यादा भीड़ होने पर महिलाओं को खड़े होकर लंबा सफर तय करना पड़ रहा है। इस दौरान पुरुषों के बीच खड़े होना उनके लिए काफी असहज हो जाता है।

मालूम हो कि रांची शहर में कुल 41 सिटी बसों का परिचालन होता है। इनमें से 3 पिंक सिटी बस है, जो केवल महिलाओं के लिए हैं। ये कचहरी चौक से बिरसा चौक तक चलती हैं। इनमें पहले से ही यात्रियों की भीड़ होती है। ऐसी स्थिति बमुश्किल महिलाओं को जगह मिल पाती है। भीड़ अधिक होने के कारण महिलाओं को न चाहते हुए भी धक्का-मुक्की के बीच खड़े होकर सफर



करना होता है। यह स्थिति उनकी सुरक्षा के दृष्टिकोण से काफी चिंताजनक है। इस संबंध में बस में सफर करने वाली महिलाओं ने कहा कि मजबूरी में भीड़वाली आम बसों में चढ़ना पड़ता है। भीड़ होने पर पुरुषों के बीच खड़े होकर सफर करना पड़ता है, जो असहज लगता है। उन्होंने जानकारी दी कि बस स्टैंड पर पिंक बस का कोई निश्चित समय नहीं है। ऐसे में पता भी नहीं चल पाता कि बस आयेगी या नहीं। ऐसे में उन्हें आंटो या फिर अन्य विकल्पों का सहारा लेना पड़ता है, जो उनकी जेब के लिए अनुकूल नहीं होता।

संक्षिप्त समाचार

मगध ग्रुप ऑफ एजुकेशन के कॉलेजों में मना अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस

गया, एजेंसी। मगध ग्रुप ऑफ एजुकेशन के तहत आने वाले कॉलेज-मगध पारामेडिकल एंड नर्सिंग कॉलेज, मगध इंस्टिट्यूट ऑफ हाईयर एजुकेशन और विवेकानंद पारामेडिकल नर्सिंग कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस धूमधाम से मनाया गया। बतौर मुख्य अतिथि मंत्री डॉ. प्रेम कुमार शामिल हुए। अच्छे प्रदर्शन करने वाले शैक्षणिक टॉपर्स और होनहार छात्रों को पुरस्कार और सम्मान दिया गया। मौके पर सिविल सर्जन राजाराम प्रसाद, कॉलेज के निदेशक राजेश कुमार पांडेय, सचिव रूबी कुमारी और कार्यकारी निदेशक ऋषा पांडेय आदि मौजूद रहे।

दो ट्रकों की टक्कर में, एक चालक की मौत दूसरा घायल

भागलपुर, एजेंसी। प्रखंड के बलहा चौक के पास एनएच- 31 पर मंगलवार की देर रात दो बजे दो ट्रकों में आमने-सामने की टक्कर हो गई, जिसमें एक चालक की मौत हो गई। दूसरे ट्रक का चालक और खलासी घायल हो गया, जिसे मायागंज अस्पताल, भागलपुर रेफर कर दिया गया है। मृतक की पहचान समस्तीपुर जिले के शाहपुर पटौरी थाना क्षेत्र के डुमरी निवासी रामनाथ राय (50 वर्ष) पिता रामेश्वर राय के रूप में हुई। घटना की सूचना पर भवानीपुर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भेजा। वहीं दूसरे ट्रक का चालक बांका जिला निवासी आदर्श कुमार (35 वर्ष) और खलासी अरविंद सिंह घायल हो गए। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर महेश कुमार ने बताया कि परिजनों को सूचित कर दिया गया है। बुधवार को परिजन अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचे। घटना की प्रारंभिकी यातायात थाने में दर्ज करायी जा रही है।

बेटी के ऑर्केस्ट्रा में जाने पर मां को बांधकर पीटा

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती के पूर्वी चंपारण जिले के केसरिया स्थित एक ऑर्केस्ट्रा में शामिल होने पर ग्रामीण आक्रोशित हो गए। ग्रामीणों ने मंगलवार रात करीब एक बजे युवती की मां को पेड़ से बांधकर बुरी तरह पीटा। पुलिस के पहुंचने की भनक लगने पर बुधवार सुबह पेड़ से बंधी महिला को खोल दिया गया। इसी दौरान युवती गांव पहुंची, तो ग्रामीणों ने उसके साथ भी मारपीट शुरू कर दी। युवती ऑर्केस्ट्रा में शामिल नहीं होने की बात कहकर गुहार लगाती रही, लेकिन भीड़ ने उसकी नहीं सुनी। उसे भी बुरी तरह पीटा गया। मां-बेटी को गंभीर चोटें आई हैं। घटना की सूचना पर डायल 112 की पुलिस, मुखिया पति पुरुषोत्तम राय और सरपंच मदन तिवारी घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस और जनप्रतिधिधियों के पहुंचते ही ग्रामीण आक्रोशित हो गए। भीड़ ने पुलिस के लिए अशराब्द बोलते हुए लाठी-डंडा और ईंट पत्थर से हमला कर दिया।

बिहार के जनजातीय समूह को अब मिलेगा पक्का मकान, पीएम जन-मन योजना होगी लागू

पटना, एजेंसी। पीएम जन-मन योजना के तहत अब बिहार के जनजातीय समूह को पक्का मकान बनाने के लिए दो-दो लाख रुपये दिये जाएंगे। विभिन्न राज्यों में इस योजना का लाभ वर्ष 2023 से दिया जा रहा है। वहीं, इस साल बिहार में यह लागू हो रहा है। ग्रामीण विकास विभाग इसकी तैयारी शुरू कर दी है। राज्य की जनजाति आबादी वाले जिलों में ही इस योजना के तहत लाभुकों का चयन किया जाएगा। इसके लिए संबंधित जिलों में सर्वेक्षण कर परिवारों को चिह्नित किया जाएगा। इस योजना के तहत कच्चे मकान में रह रहे कमजोर जनजातीय समूह के परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराने के लिए चयन किया जाएगा। मालूम हो



कि बिहार के कटिहार, पश्चिम चंपारण, पूर्णिया, जमुई, बांका, सुपौल और किशनगंज में जनजाति की आबादी अपेक्षाकृत अधिक है। विभाग जल्द ही इन जिलों को दिशा-निर्देश जारी करेगा। जानकारी के अनुसार, चालू वित्तीय वर्ष में करीब डेढ़ हजार परिवारों का चयन इस

योजना के तहत किया जाएगा। मालूम हो कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत पक्का मकान बनाने के लिए लाभुकों को एक लाख 20 हजार दिये जाते हैं। वहीं, पीएम जन-मन योजना के तहत चयनित परिवार को दो-दो लाख की राशि दी जाएगी।

परसा थाना परिसर में दरी की रस्सी बनाकर लगाई फांसी

माता-पिता सुधार के लिए लाए थाने, खिड़की से लटककर दी जान, पहले भी जा चुका था जेल

छपरा, एजेंसी। सारण में मंगलवार को एक 19 वर्षीय युवक ने थाना परिसर के वेंटिंग रूम में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस सनसनीखेज घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। यह घटना छपरा के परसा थाना परिसर में हुई है। मृत युवक की पहचान फतेहपुर निवासी पिंदू कुमार सिंह के छोटे बेटे शुभम कुमार (19) के रूप में की गई है। शुभम के माता-पिता उसे सुधार के उद्देश्य से थाने लेकर आए थे, लेकिन कुछ ही घंटों में उसने सुसाइड कर लिया।

बेटा सुधार जाए, इसलिए लाया थाने : मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे शुभम के पिता पिंदू कुमार सिंह और माता गायत्री देवी उसे परसा थाना लाए। उन्होंने पुलिस को बताया कि बेटा गलत संगत में पड़ गया है और आए दिन घर में गाली-गलौज, मारपीट करता है। माता-पिता चाहते थे कि पुलिस उसे कुछ समय थाने में रखे, ताकि वह डर कर सुधार जाए।

परसा थाना परिसर में किया सुसाइड : पुलिस ने पहले युवक को वेंटिंग रूम में बैठा दिया। उस समय शुभम अपने माता-पिता से गिड़गिड़ा कर कह रहा था कि उसे घर ले जाएं, लेकिन माता-पिता उसे वहीं छोड़कर चले गए। थाना के प्रतीक्षा कक्ष में कुछ ही देर बाद युवक ने वहां रखी दरी की कोर को फाड़कर रस्सी का रूप दिया। फिर उसने वेंटिंग रूम में लगी खिड़की की



चुंडी से बांधकर फांसी लगा ली। जब तक पुलिसकर्मी कुछ समझ पाते, शुभम दम तोड़ चुका था। उसे तुरंत फंदे से नीचे उतारा गया और परसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

15 दिन पहले ही जेल से छूटा था शुभम : मृतक के पिता पिंदू सिंह ने बताया कि शुभम हाल ही में 15 दिन पहले ही जेल से छूटकर आया था। जेल

बिहार में 40 हजार से ज्यादा स्वास्थ्यकर्मियों की भर्ती दरभंगा में 1700 बेड का अस्पताल: मंगल पांडेय



मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा है कि राज्य में जल्द ही 41 हजार स्वास्थ्यकर्मियों और मानव बल की बहाली की जाएगी। उन्होंने बुधवार को मुजफ्फरपुर और दरभंगा में विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाओं का शुभारंभ किया। मंत्री ने कहा कि वर्ष 2005 से पहले गांवों में अस्पताल नहीं थे। जो अस्पताल थे, वह भी खंडहर थे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में स्वास्थ्य सुविधाओं का विकास हो रहा है। सरकार का ध्यान

ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था को विकसित करने पर है। ग्रामीण क्षेत्रों में अस्पताल खोले जा रहे हैं। मंत्री ने मुजफ्फरपुर सदर अस्पताल परिसर में बने मॉडल अस्पताल का उद्घाटन किया। साथ ही जिले के 27 नये हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों का ऑनलाइन शिलान्यास भी किया। उन्होंने कहा कि मॉडल सदर अस्पताल के निर्माण पर 29 करोड़ 80 लाख की लागत आयी है। 27 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर 11.56 करोड़ का खर्च आया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मॉडल सदर

अस्पताल में 100 बेड हैं। एक जून से यहां सारी सुविधाएं शुरू हो जाएंगी। अस्पताल के निचले तल पर 16 विभागों की ओपीडी चलेंगी। अस्पताल में 20 बेड इमरजेंसी के लिए हैं। पहले फ्लोर पर आईपीडी और ऑपरेशन थियेटर हैं। मौके पर पंचायती राज मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता, पूर्व मंत्री रामसूरत राय, सांसद वीणा देवी, पूर्व मंत्री सुरेश शर्मा, नगर विधायक विजेंद्र चौधरी, पूर्व विधायक बेबी कुमारी, प्रचार्य प्रो. ममता रानी, क्षेत्रीय अपर निदेशक डॉ सुरिता शंकर, अधीक्षक डॉ बीएस झा, सीएस डॉ अजय कुमार, प्धारी एसीएमओ डॉ चंद्रशेखर प्रसाद मौजूद रहे। स्वास्थ्य मंत्री ने पांच प्रखंडों के एक-एक एनएम को एईएस किट बांटा। उधर, दरभंगा में स्वास्थ्य मंत्री ने कर्पूरी चौक स्थित मेडिकल ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि बीते 20 वर्षों में सुबे की स्वास्थ्य व्यवस्था में व्यापक बदलाव हुआ है। पहले लोग सरकारी अस्पताल में आना नहीं चाहते थे। अब रोजना हजारों लोग उपचार के लिए आ रहे हैं। मुख्यमंत्री की सात निश्चय योजना के तहत अस्पताल खुल रहे हैं। डॉक्टर-नर्सों की तैनाती हो रही है। उन्होंने यहां 14 करोड़ चार लाख की लागत से बने प्री-फैब्रिकेडड नर्सिंग हॉस्टल का उद्घाटन किया और डीएमसीएच के न्यू सर्जिकल भवन में 10 ओटी मरीजों के उपचार के लिए समर्पित किया। मंत्री ने कहा कि दरभंगा मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल में जल्द 1700 बेड के

ब्रायलर चूजे और फर्टाइल अंडे में बिहार भी आत्मनिर्भर होगा



भागलपुर, एजेंसी। ब्रायलर चूजे और फर्टाइल अंडे में बिहार भी आत्मनिर्भर होगा। इसके लिए प्रदेश के विभिन्न जिलों में 10 नये प्लांट लगाने की योजना बनाई गई है। अभी सिर्फ 16 प्लांट ही राज्य में लगे हैं। जो जरूरत का महज 18 फीसदी पूरा कर रहा है। अभी भी 82 प्रतिशत चूजे और फर्टाइल अंडे दूसरे राज्यों से मंगाया जा रहे हैं।

मछली उत्पादन में बढ़ोतरी के बाद जैसे आंध्र प्रदेश का साम्राज्य बिहार से टूट गया। इसी तरह चूजे और अंडे में भी आंध्र प्रदेश का साम्राज्य तोड़ने की कवायद हो रही है।

बता दें कि आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और तेलंगाना जैसे राज्य अंडा उत्पादन में अग्रणी हैं। जानकारों ने बताया कि दूसरे राज्यों से चूजे और फर्टाइल अंडे की आवक बिहार में रोकने के लिए पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग ने नये प्लांट लगाने की योजना पर काम शुरू किया है।

अभी 11.70 करोड़ रुपये नये प्लांट के लिए जारी किया गया है, ताकि दूसरे राज्यों पर निर्भरता खत्म हो जाए। अभी सभी जिलों में हैचरी प्लांट लगाने की योजना बनाई गई है। लेकिन इसमें निवेश अधिक करना होगा।

विभाग के अधिकारी बताते हैं, एक प्लांट पर साढ़े तीन करोड़ का खर्च आता है। प्लांट के लिए ढाई एकड़ जमीन की जरूरत होगी।

10 करोड़ ब्रायलर चूजे व 90 लाख अंडे प्रतिमाह खपत : अधिकारी बताते हैं, राष्ट्रीय स्तर पर हुए सर्वेक्षण में पाया गया कि अभी बिहार में प्रतिमाह 10 करोड़ ब्रायलर चूजे व 90 लाख अंडे की खपत है। जबकि राज्य के 16 प्लांट से जरूरत का सिर्फ 18 प्रतिशत यानी 18 लाख ब्रायलर चूजे का उत्पादन हो रहा है। प्लांट इस्टालेशन में चूँकि इन्वेस्टमेंट अधिक होता है, इसलिए एससीएसटी वर्ग के लाभुकों को 40 एवं अन्य को 30 प्रतिशत अनुदान मिलेगा। अभी एक प्लांट में 10 हजार मुर्गे-मुर्गियों को रखने की व्यवस्था होगी। एक प्लांट में 9 हजार पैरेंट मुर्गी एवं एक हजार पैरेंट मुर्गा को रखने की सुविधा होगी।

कहते हैं पदाधिकारी

पशुपालन पदाधिकारी, डॉ. अंजली कुमारी ने कहा कि योजना का कार्यान्वयन पशुपालन निदेशालय स्तर पर किया जाएगा। ऑनलाइन आवेदन लिया जाएगा। आवेदकों की प्रारंभिक जांच एवं अंतिम चयन पशुपालन निदेशालय के स्तर पर किया जाएगा।

बिहार में डेढ़ लाख गाड़ियों के मालिकों पर चला ट्रांसपोर्ट विभाग का चाबुक, रजिस्ट्रेशन कैसिल होगा

पटना, एजेंसी। परिवहन विभाग ने उतर पूर्व के 13 जिलों की एक लाख 51 हजार 633 गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन रद्द करने का निर्णय लिया है। चिह्नित लापरवाह वाहन मालिकों को नोटिस और फोन से सूचना देने के बाद कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इनमें सर्व क्षमा योजना का लाभ लेने वाले वाहन मालिकों को छोड़ दिया गया है। यह कार्रवाई ऐसे वाहन मालिकों पर की जा रही है, जिन्होंने लंबे समय से टैक्स जमा नहीं किया है। परिवहन विभाग के इस फैसले के बाद वाहन मालिकों में हड़कंप है। उनकी गाड़ियों पर रजिस्ट्रेशन रद्द होने का खतरा मंडराने लगा है।

भागलपुर और पूर्णिया परिवहन कार्यालय में टैक्स डिफॉल्टर गाड़ियों की संख्या को चिह्नित करने के बाद नीलाम पत्र वाद करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पूर्णिया के डीटीओ शंकर शरण ओमी ने बताया कि 33 हजार से अधिक

टैक्स डिफॉल्टर गाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है। ऐसे गाड़ियों को चिह्नित कर उनके खिलाफ नीलाम पत्र वाद की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

टैक्स बकाया में पूर्णिया अव्वल

टैक्स बकाया में 13 जिलों में पूर्णिया अव्वल है। पटना, मुजफ्फरपुर के बाद सबसे अधिक बकाया पूर्णिया और भागलपुर में है। पूर्णिया में 33 हजार 740, भागलपुर में 22 हजार 143, बेगूसराय में 20 हजार 950, मधेपुरा में सात हजार 835, सहरसा में 10 हजार 965, सुपौल में छह हजार 454, अररिया में सात हजार 585, कटिहार में नौ हजार 711, किशनगंज में पांच हजार 744, बांका में चार हजार 966, लखीसराय में तीन हजार 974, मुंगेर में 12 हजार 210 और जमुई में पांच हजार 356 गाड़ी मालिकों पर



टैक्स बकाया है।

क्या कहते हैं अधिकारी

एसएम मिश्र, एमबीआई, भागलपुर ने कहा कि टैक्स डिफॉल्टर वाहन मालिकों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है। नीलाम पत्र वाद की प्रक्रिया चल रही है। सर्व क्षमा योजना के बाद बची गाड़ियों की स्क्रीनिंग पूरी

कर ली गई है।

ये होते हैं टैक्स डिफॉल्टर : व्यावसायिक गाड़ियों के संचालक को तीन माह में टैक्स जमा करना होता है। गाड़ी मालिक सुविधा अनुसार कई माह का एक साथ भी टैक्स जमा करते हैं। ऐसे वाहन मालिक जो टैक्स जमा नहीं कर रहे हैं, पहले उन्हें नोटिस और फोन के माध्यम से सूचना दी जाती है।

पथों की सफाई करने वाले एजेंसी पर नगर आयुक्त ने लगाया जूमाना

गया, एजेंसी। शहर की साफ-सफाई और नाले की सफाई का जायजा नगर आयुक्त ने लिया। इस दौरान गेवल बोधा मोड़ से चांदचौरा, किष्णपुद मंदिर, बंगाली आश्रम होते हुए गोदावरी रोड स्थित मां मंगला गौरी मंदिर रोड तक पैदल भ्रमण किया। वार्ड 36, 39, 41, 42 व 34 की प्रमुख सड़कों का निरक्षण किया। एजेंसी द्वारा मार्च से कार्य संपादित किया जा रहा है जिसे नगर आयुक्त ने संतोषजनक नहीं पाया। 25 से 35 प्रतिशत तक विपत्र में की कटीती निरक्षण के दौरान कई जगह गंदगी मिली। नगर आयुक्त कुमार अनुराग ने 21 स्थानों पर जाकर जहां कचरा गिरा हुआ था उसे ऐय पर अपलोड किया। साथ ही एजेंसी को कड़ी चेतावनी दी कि अगर कार्य प्रणाली में दो से तीन दिन में सुधार नहीं आता है तो इकरारनामा रद्द करते हुए कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल के लिए पेनल्टी एजेंसी पर लगाई जा रही है। एजेंसी के समर्पित मैनुअल स्वीपिंग के विपत्र में पहले 15 दिन का 100 प्रतिशत व माह के अंतिम 15 दिनों के विपत्र में 35 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क लगाते हुए कटीती की गई। साथ में मैकेनिकल स्वीपिंग के विपत्र में 25 प्रतिशत राशि की कटीती की गई। एजेंसी द्वारा सभी मैकेनिकल स्वीपिंग की गाड़ियों में दो जीपीएस सिस्टम लगाए गए हैं, जिसमें एक निगम द्वारा लगाया गया है और एक एजेंसी द्वारा। दोनों के तुलनात्मक विवरणी के बाद ही भुगतान की प्रक्रिया की जाती है। एजेंसी ने आश्वस्त किया कि कार्य प्रणाली में सुधार लाया जाएगा। मई से सुधार लागू कर दिया गया है।

मौसरे भतीजे ने चोरी का आरोप लगाकर की मारपीट

हाजीपुर, एजेंसी। वैशाली में मंगलवार को एक जेवर दुकानदार ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना सदर थाना क्षेत्र के दौलतपुर देवरिया गांव में हुई। मृतक की पहचान 50 वर्षीय प्रकाश चौधरी के रूप में हुई है, जो स्थानीय निवासी देवनाथ चौधरी के पुत्र थे। घटना के बाद गांव में मातमी सननाटा पसरा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों के अनुसार, मृतक प्रकाश चौधरी पर उनके ही मौसरी बहन के बेटे ने बार-बार चोरी का झूठ आरोप लगाया था। आरोप लगाने के साथ-साथ वह अक्सर उनके साथ मारपीट भी करता था। इस वजह से वे पिछले कुछ समय से मानसिक तनाव में थे मृतक के बेटे ने बताया कि मंगलवार को उनके पिता ने खाना खाने से इनकार कर दिया और घर से बाहर निकल गए। थोड़ी देर बाद वे कुछ खरीदकर आए और उसे खा लिया। कुछ ही देर में उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। तत्काल उन्हें जोहरी बाजार स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा।

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए आईसीसी ने घोषित की रिकॉर्ड इनामी राशि

एजेंसी, नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच लंदन के लॉड्स में होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ऐतिहासिक इनामी राशि की घोषणा की है। इस बार फाइनल के लिए कुल पुरस्कार राशि 5.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर है, जो पिछले दोनों संस्करणों की तुलना में दोगुनी से अधिक है।

आईसीसी अध्यक्ष जय शाह एख आधिकारिक बयान में कहा, “डब्ल्यूटीसी 25 फाइनल के विजेता को 3.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर, जबकि उपविजेता को 2.1 मिलियन अमेरिकी डॉलर पुरस्कार मिलेगा। चैंपियन टीम को 3.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर की राशि मिलेगी, जो 2021 और 2023 में दिए गए 1.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर की तुलना में बहुत अधिक है, जबकि उपविजेता टीम का पुरस्कार पिछले 80 लाख डॉलर से दोगुना है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने अंतिम मैच से 30 दिन पहले



उत्साह बढ़ाने के लिए एक प्रचार वीडियो भी जारी किया है, जिसमें दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा, तेज गेंदबाज कगिसो रबादा, प्रोटीयाज स्टार ऐडेन मार्क्राम, ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ और ट्रेविंस हेड के साथ-साथ पूर्व महान खिलाड़ियों जैसे शॉन पोलक, डेल स्टेन, मैथ्यू हेडन, मेल जोन्स, नासिर हुसैन, शाएब अख्तर और रवि शास्त्री भी शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान, वेस्टइंडीज,

बांग्लादेश और श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला जीत के साथ डब्ल्यूटीसी25 अंकतालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया और लॉड्स फाइनल के लिए पहली टीम बनी। इसके अलावा उन्होंने भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज ड्रा की। दक्षिण अफ्रीका पहली बार आईसीसी खिताब जीतने की कोशिश करेगा, जबकि ऑस्ट्रेलिया टूर्नामेंट दो बार जीतकर इतिहास रचना चाहता है। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने

कहा, “हम डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचकर बहुत खुश हैं। यह हमारे लिए आईसीसी खिताब जीतने का अच्छा अवसर है। सब कोई टेस्ट क्रिकेट की अहमियत को समझता है और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप इस खेल के इस महत्वपूर्ण प्रारूप को सही संदर्भ प्रदान करता है। लॉड्स इस मेगा मुकाबले के लिए उपयुक्त स्थल है, और हम सब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन करने की पूरी कोशिश करेंगे। अब एक महीने से भी कम समय बचा है और मुझे यकीन है कि दुनियाभर के क्रिकेट प्रेमी 11 जून को होने वाले मैच का बेसब्री से इंतजार कर रहे होंगे।” ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने कहा, “हमें यह मौका मिला है कि हम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का खिताब लॉड्स में बचा सकें, इस बात पर हमें बहुत गर्व है। यह पिछले दो वर्षों में इस फाइनल तक पहुंचने के लिए किए गए कड़ी मेहनत का परिणाम है, जो हम सभी के लिए बड़ी उपलब्धि है। हम इंग्लैंड में कुछ ही हफ्तों में फिर से साथ होंगे और दक्षिण अफ्रीका की चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं।”

अर्शदीप को इंग्लैंड दौरे में मिल सकती है जगह

एजेंसी, नई दिल्ली

नई दिल्ली। बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को अगले माह होने वाले इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में जगह मिलने की काफी संभावनाएं हैं। अर्शदीप ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सीमित ओवरों के क्रिकेट में उनकी गेंदबाजी प्रभावी रही है, इसके अलावा बाएं हाथ का गेंदबाज हर टीम अपने पास चाहती है जिससे भी उनकी मांग रहेगी। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। ये भी अटकलें हैं कि अर्शदीप को अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के विकल्प के तौर पर रखा जा सकता है। वहीं हर्षित राणा भारत ए टीम के साथ इंग्लैंड जाएंगे। पिछले कुछ समय में शमी का फॉर्म



और फिटनेस एक बड़ी चिंता का कारण रहा है। आईपीएल में भी वह प्रभावित नहीं कर पाये हैं। ऐसे में अगर शमी को टीम में जगह नहीं मिलती है तो मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के जोड़ीदार के तौर पर अर्शदीप खेलते हुए दिखेंगे। अर्शदीप का आईपीएल के इस सत्र में प्रदर्शन अच्छा रहा है और वह पर्फैल कैप के दावेदारों में भी शामिल हैं। भारत का इंग्लैंड दौरा 20 से 24 जून तक हेंडिंग्ले, लीड्स में पहले टेस्ट के साथ शुरू होगा। इसके बाद दूसरा टेस्ट 2 से 6 जुलाई तक खेला जाएगा, तीसरा टेस्ट 10 से 14 जुलाई तक लंदन के लॉड्स क्रिकेट ग्राउंड पर होगा। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में 23 से 27 जुलाई तक चौथा टेस्ट खेला जाएगा, जबकि पांचवां और अंतिम टेस्ट 31 जुलाई से 4 अगस्त तक लंदन के द ओवल में खेला जाएगा।

साक्षिप्त

जडेजा ने सबसे अधिक समय तक नंबर एक पर रहने का रिकार्ड बनाया



दुबई। भारतीय टीम के अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा पिछले तीन साल से आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक स्थान पर बने हुए हैं। इसकी के साथ ही जडेजा ने सबसे अधिक समय से नंबर एक पर बने रहने का नया रिकार्ड बनाया है। जडेजा के इस रिकार्ड को तोड़ना किसी भी ऑलराउंडर के लिए असंभव सा है। वह लगातार 1,151 दिनों तक शीर्ष पर रहे हैं, जो टेस्ट क्रिकेट इतिहास में नंबर एक टेस्ट ऑलराउंडर के रूप में सबसे लंबी अवधि है। ये उपलब्धि दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर जैक्स कैपेल, भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर कपिल देव या पाकिस्तान के इमरान खान के नाम भी नहीं है। जडेजा पहली बार 9 मार्च 2022 को टेस्ट क्रिकेट में नंबर वन ऑलराउंडर बने थे। उस समय उन्होंने वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जेसन होल्डर को पीछे कर वह नंबर एक स्थान पर आये थे। इसके बाद से ही वह लगातार नंबर एक पर बने हुए हैं।

आईपीएल : दिल्ली की ओर से फ्रेजर की जगह मुस्तफिजुर खेलेंगे



नई दिल्ली । आईपीएल में 17 मई से शुरू होने वाले मैचों में दिल्ली कैपिटल्स की टीम में सलामी जेक फ्रेजर-मैक्गर्क नहीं खेलेंगे। आईपीएल के इस सत्र में दिल्ली की टीम को प्लेऑफ में पहुंचने अपने बचे हुए सभी तीन लीग मैच जीतने हैं और ऐसे में जेक फ्रेजर का बाहर होना उसके लिए एक बड़ा झटका है। फ्रेजर की जगह अब बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान दिल्ली की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। मुस्तफिजुर को दो साल के बाद दिल्ली की ओर से खेलने का अवसर मिल रहा है। दिल्ली कैपिटल्स की टीम आईपीएल अंक तालिका में अभी 5वें नंबर पर है और उसने अब तक 11 मैच खेले हैं जिसमें टीम को 6 मैचों में जीत मिली है जबकि 4 में वह हार्य है जबकि एक मैच ड्रा रहा है। इन 11 मुकाबलों में दिल्ली कैपिटल्स ने 13 अंक मिले हैं। दिल्ली की टीम की टूर्नामेंट में शुरुआत धमकेदार थी थी बीच में उसकी लया खराब हो गयी थी जिससे वह पिछड़ गयी।

एजेंसी, जोहान्सबर्ग

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर ए बी डिविलियर्स ने अपने देश की टीम से कहा है कि वह आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल (डब्ल्यूटीसी) में ऑस्ट्रेलिया से होने वाले मुकाबले को लेकर सावधान रहे। डिविलियर्स ने कहा है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम को कभी भी हल्के में लेने की भूल नुकसानदेह रहेगी। साथ ही कहा कि जब भी उसे हावी होने का अवसर मिले उसका लाभ उठाये और ऑस्ट्रेलिया को उसी के आक्रामक अंदाज में जवाब दे। डब्ल्यूटीसी फाइनल मुकाबला 11 जून से लॉड्स में खेला जाएगा। पूर्व कप्तान ने कहा भले ही इस बार हमारी टीम में अनुभव की कमी हो, फिर भी वह कमजोर नहीं है। इस मैच के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम



में टोनी डी जोरजी, ट्रिस्टन स्टब्स, रयान रिकेल्टन और कॉर्बिन ब्रांश जैसे युवा खिलाड़ियों को शामिल किया है।

विलियर्स ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के डब्ल्यूटीसी फाइनल के

लिए क्वालीफाई करने पर सभी को कुछ हैरानी भी हुई क्योंकि उनकी टीम में अनुभव की कमी है हालांकि इसके बाद भी टीम में बेह्र प्रदर्शन की क्षमता है। उन्होंने कहा कि हां, मुझे लगता है कि हम सभी के लिए

आश्चर्य की बात है कि हम फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहे। मैं आश्चर्य इसलिए कह रहा हूं क्योंकि कि हमारी विरोधी ऑस्ट्रेलिया के पास काफी अनुभवी है। उसके पास टेस्ट मैच प्रारूप में सबसे

अधिक अनुभव है और वह लगातार शीर्ष पर रहती हैं। वहीं हमारी टीम इस मामले में पीछे है। टीम इस बार कई युवा और अनुभवहीन खिलाड़ियों के होने के बाद भी कमाल का प्रदर्शन करने में सफल रही है। डी विलियर्स ने कहा कि जब भी उन्हें हावी होने का मौका मिले, उन्हें इसका लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैंने हमेशा पाया है कि उनके खिलाफ खेलने का सबसे अच्छा तरीका उन्हीं के अंदाज में जवाब देना है। इसका मतलब यह नहीं कि यह हर किसी के लिए काम करेगा। व्यक्तिगत रूप से, मुझे लगता है कि यह इसका सबसे अच्छा तरीका है। दक्षिण अफ्रीका ने 8 जीत, 3 हार और 1 ड्रा के साथ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप स्टैंडिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया। टीम टेम्बा बवुमा की कप्तानी में उतरेगी।

नंबर चार के लिए सबसे बेहतर बल्लेबाज रहेंगे करुण : कुंबले

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर और भारतीय टीम के कोच रहे अनिल कुंबले ने कहा है कि विराट कोहली के टेस्ट प्रारूप से संन्यास लेने के कारण अब उनकी जगह नंबर चार पर किसी अच्छे बल्लेबाज की जरूरत है। कुंबले के अनुसार ऐसे में अभी उपलब्ध विकल्पों में सबसे बेहतर करुण नायर हैं। नायर के नाम टेस्ट में एक तिहरा शतक भी है पर उन्होंने अपना अंतिम टेस्ट आठ साल पहले खेला था। पिछले कुछ समय में करुण ने घरेलू क्रिकेट में काफी रन बनाये हैं। आईपीएल में भी अब तक उसका प्रदर्शन अच्छा रहा है।

कुंबले ने कहा, करुण ने जिस तरह का घरेलू प्रदर्शन किया है, उसे देखते हुए वह भारतीय टीम में वापसी मिलनी चाहिये। इसलिए



कुंबले ने कहा, करुण ने जिस तरह का घरेलू प्रदर्शन किया है, उसे देखते हुए वह भारतीय टीम में वापसी मिलनी चाहिये। इसलिए

शायद वह भारत के लिए नंबर 4 पर खेल सकते हैं, क्योंकि मुझे लगता है कि आपको थोड़े अनुभव की जरूरत होती है। आपको इंग्लैंड में किसी

ऐसे खिलाड़ी की जरूरत है जो वहां जाकर खेल चुका हो। वह काउंटी क्रिकेट खेल चुका है, इसलिए वह वहां के हालातों को जानता है। करुण

बुमराह को ही कप्तानी दी जानी चाहिये : मांजरेकर

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि वह अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को ही कप्तान बनाने के पक्ष में हैं। मांजरेकर के अनुसार बुमराह जैसे कुशल कप्तान के होते हुए किसी और को कैसे ये जिम्मेदारी दी जा सकती है। साथ ही कहा कि बुमराह की फिटनेस को लेकर अगर कोई परेशानी है तो उपकप्तान बेहतर बनायें। मांजरेकर इससे हैरान हैं कि शुभमन गिल को टीम की कप्तानी सौंपने की बातें चल रही हैं। उनकी नजर में जसप्रीत बुमराह को ही टेस्ट का अगला कप्तान होना चाहिए। बुमराह पिछली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में टीम इंडिया के उप-कप्तान थे, रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में उन्होंने कप्तानी संभाली थी, मगर अधिक काम के बोझ के कारण वह अंतिम मैच में चोटिल हो गए थे। बुमराह की चोट को देखते हुए ह चयनकर्ता उन्हें कप्तान के लिए प्रबल दावेदार नहीं मान रहे हैं। मांजरेकर ने कहा, मैं हैरान हूं

कि हम टेस्ट कप्तान के तौर पर बुमराह के अलावा किसी और विकल्प पर विचार कर रहे हैं। उनकी चोटों को लेकर चिंतित हैं? तो अपने उप-कप्तान को सावधानी से चुनें। बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के पहले और पांचवें मैच में टीम की कप्तानी की थी। अंतिम टेस्ट के दौरान वह चोटिल हो गए थे, इस चोट की वजह से उन्हें तीन महीने क्रिकेट से दूर रहना पड़ा था और वह चैंपियंस ट्रॉफी में भी नहीं खेल पाये थे। ऐसे में चयनकर्ता ऐसे नाम पर विचार कर रहे हैं जो सभी मैच के लिए उपलब्ध हो और जिसपर चोट का कम से कम प्रभाव हो, ऐसे में बुमराह कप्तानी की सूची से बाहर हो गये हैं। इन चिंताओं के बावजूद, मांजरेकर का मानना है कि बुमराह कप्तानी के सबसे बड़े उम्मीदवार हैं। इससे पहले पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने भी बुमराह का समर्थन करते हुए कहा था कि अतिरिक्त जिम्मेदारी से इस तेज गेंदबाज को अपने कार्यभार को अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में मदद मिल सकती है।



की उम्र भले ही 30 के पार हो पर वह अभी भी फिट है। अगर उसे मौका मिलता है, तो इससे युवाओं को फस्ट क्लास क्रिकेट का महत्व पता चलेगा। वहीं अगर घरेलू क्रिकेट में किए गए प्रदर्शन को मान्यता नहीं मिलती है,युवा उससे दूर हो जाएंगे। कुंबले ने कहा कि करुण आजकल जबरदस्त फॉर्म में हैं, उन्होंने घरेलू सत्र में रणजी ट्रॉफी 2024-25 में विदर्भ की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इसके अलावा वह इस सत्र के चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने 16 पारियों में 53.93 की औसत से 863 रन बनाए, जिसमें चार शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं।

नीरज चोपड़ा को लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय सेना ने ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि से सम्मानित किया है। नीरज ने ओलंपिक में स्वर्ण और रजत पदक जीते हैं। इसके अलावा वह विश्व चैम्पियनशिप विजेता भी हैं। नीरज 26 अगस्त 2016 को नायब सूबेदार के रूप में भारतीय सेना में जूनियर कमीशंड अधिकारी के रूप में पहली बार शामिल हुए थे। इसके दो वर्ष बाद नीरज को एथलेटिक्स में शानदार प्रदर्शन के लिए अर्जुन पुरस्कार मिला और फिर 2021 में खेल रत्न से सम्मानित किया गया। इस वर्ष

उन्हें सूबेदार के पद पर पदोन्नत किया गया। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने पर नीरज को 2022 में भारतीय सेना के सर्वोच्च शांतिकालीन सम्मान परम विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया। उन्हें टेरिटरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद रैंक दी गई। भारतीय सेना ने इससे पहले भी कई प्रसिद्ध खिलाड़ियों को उनके खेल में उत्कृष्ट योगदान और राष्ट्र के प्रति समर्पण के लिए मानद सैन्य उपाधियाँ प्रदान की थीं।

अभिनव बिंद्रा

निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को टेरिटरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद रैंक दी गई। बिंद्रा ओलंपिक 2008



में 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय व्यक्तिगत ओलंपिक चैंपियन रहे हैं।

कपिल देव

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव को 2008 में टेरिटरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद रैंक प्रदान की गई। यह सम्मान उनके क्रिकेट में योगदान और नेतृत्व के लिए दिया गया। कपिल की कप्तानी में ही साल 1983 में भारतीय टीम ने विश्वकप सहित कई अन्य खिताब जीते थे।

महेन्द्र सिंह धोनी

पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को 2011

में 106 टेरिटरियल आर्मी बटालियन (पैरा) में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद रैंक दी गई। वे एक योग्य पैराट्रूपर भी हैं, जिन्होंने पांच पैराशूट प्रशिक्षण कूद पूरी की। धोनी ने 2019 में कश्मीर में 15 दिन की स्वेच्छक सेवा भी दी। धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम ने 2011 विश्वकप के अलावा कई अन्य आईसीसी खिताब भी जीते थे।

सचिन तेंदुलकर

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को 2010 में भारतीय वायु सेना ने ग्रुप कैप्टन की मानद उपाधि प्रदान की। यह सम्मान उनके क्रिकेट में अभूतपूर्व योगदान और युवाओं को प्रेरित करने के लिए दिया गया।



आमिर खान की सितारे जमीन पर का ट्रेलर जारी

20 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

काफी समय से अभिनेता आमिर खान फिल्म सितारे जमीन पर को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। उनकी यह फिल्म इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। खास बात यह है कि इस फिल्म के जरिए आमिर करीब 3 साल बाद बड़े पर्दे पर लौट रहे हैं। फिल्म का पहला पोस्टर सामने आने के बाद दर्शकों में फिल्म को लेकर उत्साह और भी बढ़ गया है। अब निर्माताओं ने सितारे जमीन पर का ट्रेलर जारी कर दिया है। सितारे जमीन पर की कहानी डाउन सिंड्रोम पर आधारित है। आमिर अपनी फिल्म के माध्यम से एक और स्वास्थ्य संबंधी परेशानी पर लोगों का ध्यान केंद्रित करना चाहते थे। यह एक ऐसी बीमारी पर आधारित होगी, जिसे समाज में कलंकित माना जाता है। इस फिल्म से अरोश दत्ता, गोपी कृष्ण वर्मा, संवित देसाई, वेदांत शर्मा, आयुष भंसाली, आशीष पेंडसे, ऋषि शाहनी, ऋषभ जैन, नमन मिश्रा और सिमरन मंगेशकर जैसे बाल कलाकर अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। सितारे जमीन पर के निर्देशन की कमान आरएस प्रसन्ना ने संभाली है। आमिर इस फिल्म का निर्माण अपनी पूर्व पत्नी किरण राव के साथ मिलकर कर रहे हैं। आमिर के साथ इस फिल्म में जेनेलिया डिसूजा भी अहम

भूमिका में नजर आएंगी। यह फिल्म 20 जून, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। आमिर अपनी इस फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज करने के 2 महीने बाद यूट्यूब पर पे-पर-व्यू (पीपीवी) मॉडल पर रिलीज करेंगे। सितारे जमीन पर के ट्रेलर को आमिर खान प्रोडक्शन के यूट्यूब चैनल पर रिलीज करने से पहले इसे जी नेटवर्क चैनल पर 7:50-8:10 बजे दिखाया गया था। हमेशा की तरह आमिर के काम को काफी सराहा जा रहा है, वहीं जेनेलिया भी उनके साथ खूब चमक रही हैं। दोनों की अदाकारी को प्रशंसक काफी पसंद कर रहे हैं। आमिर ने ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, 1 टिगू बास्केटबाल कोच, 10 तूफानी सितारे और उनकी यात्रा। सितारे जमीन पर साल 2007 में आई आमिर की सुपरहिट फिल्म तारे जमीन पर का सीक्वल है। इसमें दर्शाल सफारी, टिस्का चोपड़ा, विपिन शर्मा और तनय छेड़ा जैसे कलाकार नजर आए थे। आमिर ने खुद इस फिल्म का निर्देशन किया था। 12 करोड़ रुपये की लागत में बनी फिल्म तारे जमीन पर ने भारत में 62.95 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, जबकि दुनियाभर में यह 98.50 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। यह फिल्म जियो हॉटस्टार पर उपलब्ध है।

मैं अभी शुरुआती दौर में हूं: पलक तिवारी

हाल ही में अभिनेत्री पलक तिवारी ने अपनी मां और टीवी की जानी-मानी अदाकारा श्वेता तिवारी से बार-बार की जाने वाली तुलना पर खुलकर बात की। 'किसी का भाई किसी की जान' और 'द भूतनी' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी पलक का मानना है कि वह अभी करियर की शुरुआत में हैं, ऐसे में उनकी तुलना अपनी मां जैसी अनुभवी और सफल अभिनेत्री से करना सही नहीं है। पलक ने कहा कि वह अपनी मां को रोल मॉडल मानती हैं और चाहती हैं कि उनके जैसी ही शालीनता और आत्मविश्वास के साथ खुद को दर्शकों के सामने पेश करें। उन्होंने साफ शब्दों में कहा, "ईमानदारी से कहूँ तो मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं इस पर चुप रहना ही बेहतर समझती हूँ और मां पर ही छोड़ देती हूँ। उन्होंने जो कुछ भी हासिल किया है, उसके बाद उनकी तुलना आधी उम्र के किसी व्यक्ति से करना सही नहीं है। मुझे नहीं लगता कि मैं उनकी तरह दिखती हूँ, लेकिन मेरा सपना है कि एक दिन मैं भी उनके जैसी बनूँ।" बिजली-बिजली गर्ल' के नाम से मशहूर पलक ने यह भी बताया कि यदि वह दर्शकों



से अपनी मां जितना जुड़ाव बना सकीं, तो वह खुद को सफल मानेंगी। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उनकी मां का टीवी इंडस्ट्री में बहुत लंबा और शानदार करियर रहा है, जबकि उनका सफर अभी शुरू ही हुआ है। पलक जल्द ही एक्शन-ड्रामा फिल्म 'रोमियो एस 3' में नजर आएंगी, जिसका निर्देशन गुड्डू धनोआ ने किया है। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान उन्होंने लगातार खुद को बेहतर साबित करने की कोशिश की और गुड्डू धनोआ जैसे अनुभवी निर्देशक के साथ काम करना उनके

लिए सम्मान की बात रही। 'रोमियो एस 3' 16 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिसमें पलक एक पत्रकार की भूमिका निभा रही हैं। फिल्म की शूटिंग के दौरान अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि यह फिल्म उनके लिए एक बड़ा अवसर है।

मोनालिसा ने शेयर की बोल्ड तस्वीरें, फैंस ने लुटाया प्यार

भोजपुरी सिनेमा की हॉट और ग्लैमरस एक्ट्रेस मोनालिसा एक बार फिर अपने लुक को लेकर चर्चा में आ गई हैं। शुक्रवार की शाम मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ स्टनिंग फोटोज शेयर कीं, जिसने सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया। ब्लैक आउटफिट में मोनालिसा का यह दिलकश अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है। इस फोटोशूट में वो काउंटर टेबल के पास पोज देती दिख रही हैं और उनका कॉन्फिडेंस और एक्सप्रेशन दोनों ही लाजवाब लग रहे हैं। कैप्शन में उन्होंने लिखा – शुक्रवार का मूड कैसा हो और साथ में एक व्यूट सा इमोजी भी जोड़ा। तस्वीरों पर कुछ ही घंटों में हजारों लाइक्स और कमेंट्स की बौछार हो गई। फैंस ने उन्हें गॉर्जियस, हॉटनेस ओवरलॉड और फायर क्वीन जैसे टैग दिए। किसी ने रेड हार्ट इमोजी से भर दिया तो किसी ने फायर और

हॉट फेस इमोजी के साथ अपनी दीवानगी जताई। बता दें, मोनालिसा ना सिर्फ भोजपुरी फिल्मों में बल्कि टीवी इंडस्ट्री में भी अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज करा चुकी हैं। वे नज़र, नमक इश्क का और बिग बॉस 10 जैसे पॉपुलर शो में नजर आ चुकी हैं। उनकी बोल्डनेस और फैशन सेंस अक्सर सुर्खियों में रहता है। मोनालिसा की ये लेटेस्ट तस्वीरें एक बार फिर यह साबित करती हैं कि वह सोशल मीडिया की क्वीन्स में से एक हैं और अपने अंदाज से हर बार दिल जीतना बखूबी जानती हैं।

अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है। इस फोटोशूट में वो काउंटर टेबल के पास पोज देती दिख रही हैं और उनका कॉन्फिडेंस और एक्सप्रेशन दोनों ही लाजवाब लग रहे हैं। कैप्शन में उन्होंने लिखा – शुक्रवार का मूड कैसा हो और साथ में एक व्यूट सा इमोजी भी जोड़ा। तस्वीरों पर कुछ ही घंटों में हजारों लाइक्स और कमेंट्स की बौछार हो गई। फैंस ने उन्हें गॉर्जियस, हॉटनेस ओवरलॉड और फायर क्वीन जैसे टैग दिए। किसी ने रेड हार्ट इमोजी से भर दिया तो किसी ने फायर और

जब अदिति शंकर ने पिता के लिए कहा, वह मेरी फिल्म नहीं देखेंगे तो मैं उनसे लड़ूंगी

मशहूर निर्देशक एस. शंकर की बेटी और अभिनेत्री अदिति शंकर ने मजाकिया अंदाज में कहा है कि उनके पिता के पास उनकी फिल्में देखने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है। यदि वह उनकी फिल्में नहीं देखेंगे, तो वह उनसे लड़ेंगी और नाराज हो जाएंगी। तमिल सिनेमा में अपनी पहचान बनाने के बाद खूबसूरत अभिनेत्री अब निर्देशक विजय कनकमंडाला की अपकमिंग एक्शन फिल्म भैरवम के साथ तेलुगु में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। फिल्म भैरवम की यूनिट ने प्रमोशन के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की, जिसमें अभिनेत्री से पूछा गया कि क्या उनके पिता उनकी फिल्में देखते हैं? अभिनेत्री ने हंसते हुए कहा, उनके पास कोई और ऑप्शन नहीं है। अगर वह मेरी फिल्में नहीं देखेंगे तो मैं उनसे लड़ूंगी। भैरवम में अदिति शंकर, आनंदी और दिव्या पिल्लई के साथ बेलमकोंडा साई श्रीनिवास, मनोज मांचू और नारा रोहित मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म में

अदिति शंकर एक ऐसा किरदार निभाएंगी जो बोल्ड और ईमानदार होने के साथ-साथ चुलबुली भी है। अदिति कहती हैं, इस फिल्म में मेरा किरदार मुझसे काफी मिलता है। निर्देशक विजय ने तमिल में मेरी पहली फिल्म देखी और उन्हें लगा कि मैं भैरवम के किरदार के लिए परफेक्ट रहूंगी। उन्होंने मुझे फोन किया और इस प्रोजेक्ट के बारे में बताया और इस तरह मैं इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनी। अदिति ने कहा, मैं पिता के साथ शूटिंग के लिए रामोजी फिल्म सिटी और तेलुगु राज्यों में जाती थी। अब वहां अपनी खुद की फिल्म की शूटिंग करना एक सपने के सच होने जैसा है। मैं हमेशा से तेलुगु में काम करना चाहती थी। तेलुगू दर्शकों के लिए इतनी अच्छी फिल्म लेकर आने से मुझे बहुत खुशी हुई। जब उनसे पूछा गया कि इस फिल्म को करते समय उन्हें किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा, तो अदिति ने कहा कि उन्हें शुरू में लगा था कि भाषा बाधा बनेगी। लेकिन निर्देशक और लेखक सत्या ने मेरी बहुत मदद की। उनकी मदद से मेरा सफर आसान बन गया। श्री सत्य साई आर्ट्स के बैनर तले के.के. राधामोहन ने फिल्म का निर्माण किया है। फिल्म इस साल 30 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

भूषण कुमार ने मिलाया पुष्पा के मेकर्स से हाथ, अब ऋषभ शेट्टी की जय हनुमान नॉर्थ इंडिया में भी छाएगी

कांतारा फेम स्टार ऋषभ शेट्टी अपनी फिल्म कांतारा के प्रीक्वल की तैयारियों में जुटे हुए हैं। फिल्म मौजूदा साल के दशहरा के मौके पर रिलीज होने वाली है। इसी के साथ ऋषभ ऐतिहासिक और पौराणिक फिल्म जय हनुमान को लेकर भी चर्चा में हैं। इस फिल्म का डायरेक्शन हनुमैन के डायरेक्टर प्रशांत वर्मा कर रहे हैं और पुष्पा के मेकर्स मूवी मैत्री मेकर्स इसका निर्माण कर रहे हैं। अब फिल्म से टी-सीरीज के मालिक भूषण कुमार भी जुड़ गए हैं। टी-सीरीज ने सोशल मीडिया पर आकर इस बात की जानकारी दी है। अब कहना गलत नहीं होगा कि जय हनुमान चैन-इंडिया में अपनी जलवा दिखाते वाली है। भूषण कुमार ने मूवी मैत्री मेकर्स से सहयोग पर कहा है, जय हनुमान एक शानदार कहानी है और भारत की सांस्कृतिक विरासत से



जुड़ी इस कहानी को हम आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं, यह फिल्म भारतीय सिनेमा और भक्ति का त्योहार है, जिससे जुड़कर हम उत्साहित हैं, फिल्म में ऋषभ शेट्टी का होना इसके खान बनाता है। वहीं, मूवी मैत्री मेकर्स का इस कोलैब्रेशन पर कहना है, भारत के कोने-कोने में बसे दर्शकों के लिए फिल्म जय हनुमान लाना हमारे लिए जरूरी है और हमें इस पर गर्व भी है, यह फिल्म हमारे दिल के सबसे करीब है, टी-सीरीज जैसी दिग्गज कंपनी के साथ

जुड़ना हमारे लिए सम्मान की बात है, हम उत्साहित हैं, और इस फिल्म को बड़े पैमाने पर रिलीज करने के लिए तैयार हैं, अब फिल्म उत्तर भारत में भी अपना जलवा दिखाती नजर आएगी। बता दें, प्रशांत वर्मा जय हनुमान बना रहे हैं और यह उनका ड्रीम प्रोजेक्ट है। इस पर प्रशांत वर्मा का कहना है, यह फिल्म ना सिर्फ बजरंगबली की भक्ति और साहस के बारे में है, बल्कि यह बताती है कि विश्वास की शक्ति पहाड़ को भी उखाड़ सकती है।

सिकंदर के विलेन प्रतीक ने शादी में पिता और परिवार को नहीं बुलाया, अब खोला राज

> मेरी मां स्मिता पाटिल और सौतेली मां के बीच अनबन थी, मुझे अफसोस तो है...



बॉलीवुड अभिनेता और राजनेता राज बब्बर के बेटे प्रतीक बब्बर ने इसी साल 14 फरवरी को अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड प्रिया बनर्जी से शादी रचा ली। हैरानगी की बात यह है कि इस इंडीमेट वेडिंग में न ही उनके पिता राज बब्बर शामिल हुए और ना ही उनका परिवार। इसको लेकर अब प्रतीक ने कहा कि आखिर क्यों उन्होंने अपने पिता को शादी में नहीं बुलाया। प्रतीक बब्बर, राज बब्बर और उनकी पत्नी-अभिनेत्री स्मिता पाटिल के बेटे हैं। स्मिता के निधन के बाद राज बब्बर अपनी पहली पत्नी नादिरा के पास चले गए थे जिनसे उनके दो बच्चे

आर्य और जूही हैं। प्रतीक ने अपनी शादी में पिता राज बब्बर या उनके परिवार को नहीं बुलाया तो चारों तरफ उनके पिता के साथ रिश्ते और सौतेले भाई-बहन और मां के साथ बॉन्डिंग पर सवाल उठने लगे। फिल्म सिकंदर में विलेन की भूमिका निभाने वाले प्रतीक बब्बर ने एक साक्षात्कार में बताया कि उनकी मां स्मिता पाटिल और सौतेली मां नादिरा के बीच पहले अनबन थी। इसलिए वह नहीं चाहते थे कि वह अपने घर में उन्हें बुलाएं। प्रतीक ने कहा कि मेरे पिता की पत्नी और मेरी मां के बीच अतीत में कुछ कॉम्प्लिकेशंस थीं, अगर आप 38-40 साल पहले की बात करें तो प्रेस और इस तरह की कई बातें कही गई हैं। प्रतीक बब्बर ने कहा कि मुझे लगा कि जो भी उनके बीच हुआ, वो सबकुछ खत्म हो जाने के बाद उन्हें और उनके परिवार को घर पर बुलाना अनैतिक था। यह बिल्कुल सही नहीं था। हमें जो करना चाहिए था, वह सब जाहिर है कि अब परिस्थितियां



अलग हैं, सब कुछ गलत हो गया है और यह बहुत कॉम्प्लिकेटेड है लेकिन यह मेरे लिए नहीं है। मैं अभी भी वैसा ही हूँ। प्रतीक बब्बर का कहना है कि उन्होंने सिर्फ अपनी मां के लिए किसी को नहीं बुलाया। उन्होंने कहा कि यह किसी को रिजेक्ट करने के बारे में नहीं था। यह मेरी मां और उनकी इच्छाओं का सम्मान करने के बारे में था। मुझे अफसोस है कि मेरे पिता और उनकी पत्नी वहां नहीं रह सके, उस घर में नहीं रह सके जिसे मेरी मां ने मेरे लिए खरीदा था ताकि एक सिंगल मदर बनकर जिंदगी जी सके।

